■ श्रावण शुक्ल - 6 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 13 ■ अंक - 8 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » बुधवार » 30-07-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 आतंकवाद का खेल खेलने वाले पाकिस्तान के साथ क्रिकेट खेलना बंद हो : तृणमूल कांग्रेस

6 बाघों के सबसे बड़े घर में सुरक्षा बनी चुनौती

7 मुझे कभी अहसास नहीं हुआ कि मैं आउट साइडर हूं : श्वेता त्रिपाठी

WANTED LAND
1 to 2 Acres
For LEASE / SALE
with or without
Construction offer
for Starting a
New CBSE School
in & around
Avadi-Kannampalayam,
Mettupalayam,
Ayalcheri, Sorancheri,
Kovilpadhagai,
Pattabiram, Ambattur,
Thirumullaivoyal
and more...
CONTACT:
97907 92881

फर्स्ट टेक

नए आयकर विधेयक में कर दरों में कोई बदलाव नहीं : आयकर विभाग

नई दिल्ली/भाषा। आयकर विभाग ने मंगलवार को कहा कि नए आयकर विधेयक में कर की किसी भी दर में बदलाव का प्रस्ताव नहीं है। नए आयकर विधेयक, 2025 में दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ (एलटीसीजी) पर कर दरों में बदलाव का प्रस्ताव होने की खबरों पर स्पष्टीकरण देते हुए विभाग ने कहा, ''यह (विधेयक) करों की किसी भी दर में बदलाव का प्रस्ताव नहीं करता है।'' आयकर विभाग ने कहा कि इस संबंध में किसी भी अस्पष्टता का विधेयक पारित होने के दौरान उचित रूप से समाधान किया जाएगा।

ननों पर धर्मांतरण का मामला दर्ज करने के पर्याप्त आधार : छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री

रायपुर/भाषा। छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने मंगलवार को कहा कि राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) के पास केरल की दो ननों के खिलाफ धर्मांतरण और मानव तस्करी से संबंधित आरोपों में मामला दर्ज करने के पर्याप्त आधार थे। रेलवे पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि बजरंग दल के एक कार्यकर्ता की शिकायत पर नन प्रीति मेरी और वंदना फ्रांसिस तथा सुकमन मंडावी नामक एक व्यक्ति को 25 जुलाई को दुर्ग रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार किया गया था। बजरंग दल के कार्यकर्ता ने उन पर नारायणपुर की तीन लड़कियों का जबरन धर्मांतरण और उनकी तस्करी करने का आरोप लगाया था।

30-07-2025 सूर्यास्त 6:36 बजे | 31-07-2025 सूर्योदय 5:54 बजे

BSE	NSE
81,337.95	24,821.10
(+446.93)	(+140.20)

सोना	चांदी
10,284 रु.	127,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

समदर्शी नेता

धर्म जाति अगड़ा-पिछड़ा,
अब उच्च दलित में बँटा वोट।
क्या यही स्वप्न था भारत का,
देखें हम जिसमें सदा खोट।
अपनी सत्ता के हित साधक,
चल रहे शकुनि बन कुटिल गोट।
लाओ कोई ऐसा नेता,
समदर्शी बन कर सके चोट।।

ऑपरेशन सिंदूर विषय पर लोकसभा में चर्चा

कांग्रेस ने हमेशा राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ समझौता किया है : मोदी

कांग्रेस ने पीओके वापस लेने का मौका छोड़ा : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सिंधु जल संधि और मुंबई में 2008 में हुए आतंकी हमलों का हवाला देते हुए कांग्रेस पर मंगलवार को करारा प्रहार किया तथा कहा कि देश की आजादी के बाद उसने (कांग्रेस ने) हमेशा राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ समझौता किया है।

मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को वापस लेने का मौका गंवा देने के आरोपों पर कहा, ''आज जो लोग पूछ रहे हैं कि पीओके को वापस क्यों नहीं लिया, उन्हें सबसे पहले इस सवाल का जवाब देना होगा कि किसकी सरकार ने इस क्षेत्र पर पाकिस्तान को कब्जा करने का अवसर दिया था?''

मोदी ने कहा, ''वर्ष 1971 में पाकिस्तान के 93 हजार फौजी हमारे पास बंदी थे। हजारों किलोमीटर इलाका हमारी सेना ने कब्जा कर लिया था। हम विजय की स्थिति में थे। उस दौरान यदि थोड़ा सा भी 'विजन' होता, समझ होती तो पीओके वापस लेने का निर्णय लिया जा सकता था। वह मौका था, जिसे छोड़ दिया गया।''

भारत के हितों को 'गिरवी' रखना कांग्रेस की पुरानी आदत

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ''जवाब साफ है, जब भी मैं (जवाहरलाल) नेहरू जी की चर्चा करता हूं कांग्रेस और उसका पूरा 'इकोसिस्टम' बिलबिला जाता है।'' उन्होंने कहा कि भारत के हितों को ''गिरवी'' रख देना कांग्रेस की पुरानी आदत है और इसका सबसे बड़ा उदाहरण सिंधु जल समझौता है, जो नेहरू जी ने पाकिस्तान के साथ किया था। उन्होंने कहा, ''सिंधु जल समझौता, भारत की अस्मिता और स्वाभिमान के साथ किया गया बहुत बड़ा धोखा था। देश के एक बहुत बड़े हिस्से को जल संकट में धकेल दिया गया।''

नेहरू जी की 'डिप्लोमेसी' में किसान का कोई वजूद नहीं था

मोदी ने देश के प्रथम प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा कि इस समझौते के कारण देश बहुत पिछड़ गया, ''हमारे किसानों को खेती का नुकसान हुआ। नेहरू जी तो उस 'डिप्लोमेसी' को जानते थे, जिसमें किसान का कोई वजूद नहीं था।'' उन्होंने दावा किया कि नेहरू जी ने पाकिस्तान के कहने पर यह शर्त स्वीकार की थी कि बांध में जो गाद जमी होगी, उसकी सफाई नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि बाद में भी कांग्रेस की सरकारों ने नेहरू जी की इस गलती को सुधारा तक नहीं, लेकिन इस पुरानी गलती को अब सुधारा गया और ठोस निर्णय लिया गया।

प्रधानमंत्री ने कहा, ''नेहरू जी के 'ब्लंडर' (सिंधु जल समझौता) को देश हित और किसान हित में अब निलंबित कर दिया गया है। भारत ने तय कर दिया है कि खून और पानी साथ-साथ नहीं बह सकते।'' उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पास नेशनल सेक्युरिटी (राष्ट्रीय सुरक्षा) का 'विजन' न पहले था और न आज है और उसने ''हमेशा राष्ट्रीय सुरक्षा पर समझौता किया है।''

कांग्रेस का पाकिस्तान से प्रेम नहीं रुका

प्रधानमंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान लोकसभा में विपक्षी दलों के सदस्यों की ओर से कूटनीतिक नाकामी का दावा किये जाने को लेकर कहा, ''आजकल कांग्रेस के जो लोग हमें 'डिप्लोमेसी' का पाठ पढ़ा रहे हैं, मैं उनकी डिप्लोमेसी याद दिलाना चाहता हूं।''

उन्होंने कहा कि 26 नवंबर 2008 को मुंबई में हुए आतंकी हमले के बाद भी कांग्रेस का पाकिस्तान से प्रेम नहीं रुका और हमले के कुछ हफ्ते के भीतर ही विदेशी दबाव में आकर कांग्रेस-नीत संप्रग सरकार ने पाकिस्तान के साथ बातचीत शुरू कर दी थी।

उन्होंने कहा कि तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने इस घटना के बाद एक भी (पाकिस्तानी) राजनयिक को भारत से बाहर निकालने की हिम्मत नहीं की और एक वीजा तक रद्द नहीं किया।

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में घोषणा की

पहलगाम हमले को अंजाम देने वाले आतंकवादी मुठभेड़ में मारे गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को लोकसभा में घोषणा की कि पहलगाम आतंकवादी घटना को अंजाम देने वाले तीनों आतंकवादी सोमवार को सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में मारे गये।

शाह ने लोक सभा में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा में हिस्सा लेते हुए कहा कि ऑपरेशन महादेव के दौरान कल पहलगाम में 26 निर्दोष पर्यटकों की हत्या करने वाले आतंकवादी सुलेमान उर्फ फैसल, अफगान और जिब्रान सैन्य बलों के साथ मुठभेड़ में मारे गये। उन्होंने बताया कि सुलेमान आतंकवादी संगठन लश्करे तैयबा का ए श्रेणी आतंकवादी और तथाकथित कमांडर था। अफगान और जिब्रान भी लश्करे तैयबा से जुड़े हुए एक श्रेणी के आतंकवादी थे।

उन्होंने बताया कि मारे गये तीनों आतंकवादियों के पहलगाम घटना में शामिल होने की पुष्टि इन्हें पनाह देने वालों से करायी गयी है। पहलगाम हमले में इस्तेमाल हथियारों से निकले खोखे की मिलान कर लिया गया है और इसकी पुष्टि हो गयी है कि इन आतंकवादियों के कब्जे से बरामद हथियार ही पहलगाम हमले में इस्तेमाल किये गये थे। शाह ने बताया कि राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने इन आतंकवादियों को पहलगाम घटना के बाद शरण और भोजन देने वालों को गिरफ्तार किया था। उनसे इन आतंकवादियों की पहचान करायी गयी है। इन आतंकवादियों के पास पाकिस्तान निर्मित चाकलेट बरामद की गयी थी।

प्रधानमंत्री ने स्पष्ट रूप से नहीं कहा कि ट्रंप ने झूठ बोला : राहुल

■ प्रधानमंत्री मोदी ने लोकसभा में यह स्पष्ट किया कि दुनिया के किसी भी नेता ने भारत से 'ऑपरेशन सिंदूर' रोकने के लिए नहीं कहा। उन्होंने लोकसभा में, ऑपरेशन सिंदूर पर विशेष चर्चा में हस्तक्षेप करते हुए यह भी कहा कि भारत ने ''पाकिस्तान की नाभि पर'' वार किया है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान स्पष्ट रूप से यह नहीं बोल सके कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का मध्यस्थता संबंधी दावा झूठा है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में एक बार भी चीन का नाम नहीं लिया, जबकि सबको पता है कि पाकिस्तान के पीछे चीन का हाथ है।

प्रधानमंत्री मोदी ने मंगलवार को लोकसभा में यह स्पष्ट किया कि दुनिया के किसी भी नेता ने भारत से 'ऑपरेशन सिंदूर' रोकने के लिए नहीं कहा। उन्होंने लोकसभा में, ऑपरेशन सिंदूर पर विशेष चर्चा में हस्तक्षेप करते हुए यह भी कहा कि भारत ने ''पाकिस्तान की नाभि पर'' वार किया है।

प्रधानमंत्री के भाषण के बाद कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, ''प्रधानमंत्री ने स्पष्ट रूप से नहीं कहा कि ट्रंप ने झूठ बोला है। शायद ट्रंप ने 29 बार यह दावा किया कि उन्होंने (भारत और पाकिस्तान के बीच) मध्यस्थता करवाई।''

उनका कहना था, ''सबसे दिलचस्प बात है कि पूरे भाषण में चीन शब्द नहीं बोला। पूरा देश जानता है कि चीन ने पाकिस्तान की मदद की, लेकिन प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री के मुंह से चीन शब्द नहीं निकला।''

निसार मिशन के लिए उलटी गिनती शुरू : इसरो

श्रीहरिकोटा (आंध्र प्रदेश)/भाषा। नासा-इसरो के महत्वाकांक्षी निसार मिशन के लिए 27.30 घंटे की उलटी गिनती मंगलवार को शुरू हो गई। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के सूत्रों ने यह जानकारी दी। इसरो का 'जियोसिंक्रोनस सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल' (जीएसएलवी) बुधवार शाम 5:40 बजे नासा-इसरो 'सिंथेटिक एपरचर रडार' (निसार) उपग्रह को सूर्य-समकालिक ध्रुवीय कक्षा में भेजेगा। इस मिशन की योजना अमेरिका और भारत की अंतरिक्ष एजेंसियों ने करीब दस साल पहले मिलकर बनाई थी। इस साल फरवरी में वाशिंगटन में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मुलाकात के बाद इस मिशन को और तेजी से आगे बढ़ाने का फैसला लिया गया।

असम, बंगाल में जनसांख्यिकी बदलाव 'टाइम बम' की तरह है : आर एन रवि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गांधीनगर/भाषा। तमिलनाडु के राज्यपाल आर एन रवि ने मंगलवार को असम और पश्चिम बंगाल समेत देश के कुछ हिस्सों में जनसांख्यिकीय परिवर्तन पर चिंता व्यक्त करते हुए इसे 'टाइम बम' की तरह बताया तथा संबंधित पक्षों से समाधान खोजने की अपील की।

महाराष्ट्र समेत कुछ राज्यों में भाषा को लेकर चल रहे विवादों और हिंदी थोपे जाने के दावों के बीच उन्होंने कहा कि भाषा के नाम पर कटुता रखना भारत के चरित्र या संस्कृति में नहीं है।

रवि ने कहा, ''यह देश हमेशा बाहरी आक्रमणों से लड़ने में कामयाब रहा है। लेकिन जब आंतरिक मामलों की बात आती है, तो अतीत में क्या हुआ था? 1947 में आंतरिक उथल-पुथल के कारण भारत का विभाजन हुआ था। एक विचारधारा को मानने वाले लोगों ने घोषणा की कि वे हम सब के साथ नहीं रहना चाहते। इस विचारधारा ने हमारे देश को तोड़ दिया।''

तमिलनाडु के राज्यपाल शैक्षणिक वर्ष 2025-2026 का आरंभ होने के अवसर पर यहां राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय (आरआरयू) में विद्यार्थियों और अध्यापकों को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने पूछा, ''क्या किसी को पिछले 30-40 सालों में असम, पश्चिम बंगाल और पूर्वांचल (उत्तर प्रदेश और बिहार के कुछ हिस्से) में हुए जनसांख्यिकी बदलावों की चिंता है? क्या आज कोई यह अंदाजा लगा सकता है कि आने वाले 50 सालों में इन इलाकों में देश के बंटवारे का काम नहीं होगा?''

पूर्व आईपीएस अधिकारी ने कहा, ''हमें कुछ इलाकों में बढ़ती संवेदनशील जनसांख्यिकी और उसके भविष्य पर एक अध्ययन करना चाहिए। यह समस्या एक टाइम बम की तरह है। हमें यह सोचना होगा कि भविष्य में हम इस समस्या से कैसे निपटेंगे। आज से ही इसका समाधान ढूंढना शुरू कर देना चाहिए।''

बाघों को बचाकर जंगलों की 'आत्मा' को बचाएं : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने आज कहा कि बाघों को बचाकर ही जंगलों की 'आत्मा' की रक्षा की जा सकती है। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस के अवसर पर सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने संदेश में कहा तमिलनाडु गर्व से गर्जना करता है।एनटीसीए के अनुसार 306 बाघों के साथ यह सफलता हमारे वन कर्मचारियों और शिकार-रोधी टीमों के कंधों पर है जो दुर्गम इलाकों में उनके महत्वपूर्ण आवासों की रक्षा करते हैं।

स्टालिन ने बताया कि वन संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए राज्य में 1947 क्षेत्रीय पद भरे गए हैं। इसके लिए वन विभाग को आधुनिक उपकरणों, तकनीकों और विशेषज्ञ पशु चिकित्सकों से लैस किया गया है। संगठित वन्यजीव अपराध पर अंकुश लगाने के लिए तमिलनाडु वन और वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो (टीएनडब्ल्यूएफसीसीबी)की एक विशेष इकाई का गठन किया गया है। उन्होंने कहा अपने बाघों को बचाकर ही हम अपने जंगलों की 'आत्मा' की रक्षा कर रहे हैं।

भारत ने मिसाइल 'प्रलय' का सफल परीक्षण किया

बालासोर/नई दिल्ली/भाषा। भारत ने पारंपरिक युद्ध सामग्री ले जाने में सक्षम नई विकसित सामरिक मिसाइल 'प्रलय' का सफलतापूर्वक परीक्षण किया है। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि इस मिसाइल का परीक्षण सोमवार और मंगलवार को ओडिशा तट के पास 'एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप' से किया गया। 'प्रलय' एक कम दूरी की सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल है, जिसकी 'पेलोड' क्षमता 500 से 1,000 किलोग्राम तक है। 'पेलोड' क्षमता का अर्थ है कि कोई मिसाइल, रॉकेट, ड्रोन या विमान अधिकतम कितने भार का विस्फोटक, उपकरण या सामग्री अपने लक्ष्य तक ले जा सकता है।

पुरी के जगन्नाथ मंदिर के रत्नभंडार में कोई छिपा हुआ कक्ष नहीं: भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुरी/भाषा। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने मंगलवार को कहा कि पुरी स्थित जगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार में कोई छिपा हुआ कक्ष नहीं है। एएसआई ने हाल में रत्न भंडार की मरम्मत का काम पूरा किया है।

'एक्स' पर एक पोस्ट में, इन कार्यों का विवरण देते हुए, उसने कहा, ..(रत्न भंडार में) कोई छिपा हुआ स्थान नहीं है।

एएसआई ने कहा कि 'ग्राउंड पेनेट्रेटिंग रडार (जीपीआर)' सर्वेक्षण के आधार पर इसकी पुष्टि की गई। उसने कहा है कि रत्न भंडार या खजाना दो भागों में विभाजित है – 'भीतर' रत्न भंडार और 'बाहर' भंडार तथा दोनों के बीच लोहे का एक गेट है, जो बाहर से बंद होता है। उसने कहा, दोनों कक्षों का निरीक्षण करने के बाद, यह पता लगाने के लिए एक जीपीआर सर्वेक्षण करने का निर्णय लिया गया कि दीवारों में या फर्श के नीचे कोई छिपा हुआ कक्ष या अलमारियां तो नहीं हैं।

एएसआई ने कहा है,''सितंबर 2024 में किए गए जीपीआर सर्वेक्षण की रिपोर्ट ने पुष्टि की है कि कोई छिपी हुई जगह नहीं है। रिपोर्ट के बाद, 17 दिसंबर 2024 को संरक्षण कार्य शुरू हुआ। इसकी शुरुआत भीतर और बाहर भंडार दोनों में मचान बनाकर की गई।

उसने बताया कि रत्न भंडार मंदिर के जगमोहन या सभा भवन के उत्तरी प्रवेश द्वार से जुड़ा हुआ है। उसने कहा कि खोंडालाइट पत्थर से निर्मित रत्न भंडार का उद्देश्य भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र, देवी सुभद्रा और श्री सुदर्शन की बहुमूल्य वस्तुओं को रखना था।

रत्न भंडार में संरक्षण कार्य दो चरणों में किया गया। पहला चरण 17 दिसंबर, 2024 से 28 अप्रैल, 2025 तक चला तथा दूसरा 28 जून से 7 जुलाई तक चला।

एक दिन अवश्य ऐसा आयेगा जब

पीओके के लोगों की घर वापसी होगी : राजनाथ सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को ऑपरेशन सिंदूर को तीनों सेनाओं के समन्वय का बेमिसाल उदाहरण बताते हुए कहा कि आज का भारत सहन करने में नहीं, बल्कि माकूल जवाब देने में विश्वास करता है। साथ ही उन्होंने यह उम्मीद भी जतायी कि पीओके के लोगों की एक दिन 'घर वापसी'' जरूर होगी।

साथ ही रक्षा मंत्री ने पाकिस्तान को स्पष्ट शब्दों में चेतावनी दी कि यदि उसकी ओर से कुछ आतंकवादी करतूत की गई तो ऑपरेशन सिंदूर को फिर शुरू करने में रंचमात्र भी देर नहीं की जाएगी।

सिंह ने राज्यसभा में ''पहलगाम में आतंकवादी हमले के जवाब में भारत के मजबूत, सफल एवं निर्णायक 'ऑपरेशन सिंदूर' पर विशेष चर्चा'' की शुरुआत करते हुए यह भी कहा कि पाकिस्तान की तरफ से सैन्य अभियान महानिदेशक (डीजीएमओ) के स्तर पर संपर्क कर आग्रह किया गया था कि अब कार्रवाई रोक दी जाए।

सिंह ने कहा, मैं सदन को यह भी बताना चाहूंग कि किसी क्षेत्र पर कब्जा करना इस ऑपरेशन का मकसद नहीं था। इसका उद्देश्य पाकिस्तान द्वारा वर्षों से पाले गए आतंकवाद की नर्सरी का अंत करना था। उन लोगों को न्याय दिलाना था जिन्होंने पाक प्रायोजित पहलगाम हमले में अपने प्रियजनों को खो दिया।

रक्षा मंत्री ने कहा, 10 मई की सुबह जब भारतीय वायु सेना ने पाकिस्तान के कई एयरफील्ड पर करारा हमला किया तो पाकिस्तान ने हार मान ली और संघर्ष रोकने की पेशकश की।

उच्च सदन में चर्चा की शुरुआत में ही सिंह ने पहलगाम आतंकवादी हमले में शामिल तीन आतंकवादियों को मार गिराने के लिए सेना और सुरक्षा बलों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि भारत की आतंरिक एवं बाह्य सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए देश के रक्षा बलों की जो भूमिका रही है, उसकी जितनी भी सराहना की जाए, वह कम है।

इंटरनेशनल बिग कैट एलायंस में शामिल होने पर चौबीस देश सहमतः भूपेंद्र यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने मंगलवार को कहा कि भारत की अगुवाई में शुरू की गई अंतरराष्ट्रीय पहल 'इंटरनेशनल बिग कैट अलायंस' (आईबीसीए) में शामिल होने के लिए 24 देश सहमत हो गए हैं।

आईबीसीए वेबसाइट के अनुसार, 12 देश – भारत, आर्मेनिया, भूटान, कंबोडिया, इथियोपिया, इस्वातिनी, गिनी, लाइबेरिया, निकारागुआ, रवांडा, सोमालिया और सूरीनाम – वर्तमान में गठबंधन के सदस्य हैं। अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में यादव ने कहा कि भारत में बाघ अभयारण्यों की संख्या 2014 में 46 से बढ़कर वर्तमान में 58 हो गई है, जो राष्ट्रीय पशु की सुरक्षा के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाता है। मंत्री ने एक राष्ट्रव्यापी वृक्षारोपण अभियान शुरू करने की भी घोषणा की, जिसके तहत सभी 58 बाघ अभयारण्यों में एक लाख से अधिक पौधे लगाए जाएंगे।

केंद्रीय पर्यावरण राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने कहा कि बाघ संरक्षण में भारत की उपलब्धियां प्रकृति की रक्षा के प्रयासों में एक मील का पत्थर हैं। उन्होंने कहा कि बाघों की सुरक्षा का मतलब पर्यावरण की सुरक्षा भी है, क्योंकि बाघ एक शीर्ष प्रजाति है। आईबीसीए के बारे में सिंह ने कहा कि कई देशों ने भारत से अनुरोध किया है कि वह उनके अधिकारियों को बाघों के संरक्षण में प्रशिक्षण दे। 'प्रोजेक्ट चीता' के तहत अफ्रीका से और चीते लाने की योजना के बारे में पूछे जाने पर, सिंह ने कहा कि भारत के पास नामीबिया जैसे समान जलवायु क्षेत्रों से चीते लाने की ठोस योजना है। उन्होंने कहा, ये योजनाएं चल रही हैं। हम चीता संरक्षण के अपने प्रयासों में बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। मानव–बाघ संघर्ष से निपटने के लिए, सरकार जल्द ही 'टाइगर्स आउटसाइड टाइगर रिजर्व' (टीओटीआर) परियोजना शुरू करने की योजना बना रही है, जिसमें 17 राज्यों के 80 वन प्रभाग शामिल होंगे। वर्ष 2022 में की गई नवीनतम बाघ गणना के आकलन के अनुसार मध्य प्रदेश में लगभग 785 बाघ, कर्नाटक में 563, उत्तराखंड में 560, महाराष्ट्र में 444, तमिलनाडु में 306, असम में 229, केरल में 213 और उत्तर प्रदेश में 205 बाघ थे।

आरबीआई ने एआईएफ योजना में बैंक के निवेश की सीमा 10 प्रतिशत तय की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक ने मंगलवार को बैंकों और एनबीएफसी सहित किसी एकल विनियमित संस्था (आरई) द्वारा वैकल्पिक निवेश कोष (एआईएफ) योजना में निवेश की सीमा कोष के 10 प्रतिशत तक तय की।

भारतीय रिजर्व बैंक (एआईएफ में निवेश) निर्देश, 2025 के मुताबिक किसी भी एआईएफ योजना में सभी विनियमित संस्थाओं का कुल योगदान उस योजना के कोष के 20 प्रतिशत से अधिक नहीं होना चाहिए। आरई से तात्पर्य बैंकों, एनबीएफसी और अखिल भारतीय वित्तीय संस्थानों से है। आरबीआई ने दिसंबर, 2023 और बाद में मार्च, 2024 में एआईएफ में रिजर्व बैंक की विनियमित इकाइयों द्वारा निवेश के संबंध में नियामक दिशानिर्देश जारी किए थे। आरबीआई ने मंगलवार को एक परिपत्र में कहा कि दिशानिर्देशों की समीक्षा उद्योग जगत की प्रतिक्रिया के साथ ही सेबी के नियमों को ध्यान में रखते हुए की गई है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के उक्त नियम निवेशकों और एआईएफ के निवेश की विशिष्ट जांच से संबंधित हैं। परिपत्र में कहा गया, कोई भी विनियमित इकाई व्यक्तिगत रूप से किसी एआईएफ योजना के कोष में 10 प्रतिशत से अधिक का योगदान नहीं करेगी। परिपत्र में यह भी कहा गया है कि आरबीआई सरकार के परामर्श से कुछ एआईएफ को मौजूदा परिपत्रों और संशोधित निर्देशों के दायरे से छूट दे सकता है।

आईएमएफ ने 2025 में वैश्विक अर्थव्यवस्था की वृद्धि का अनुमान बढ़ाया

वाशिंगटन/एपी। अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की संरक्षणवादी व्यापार नीतियों का असर अनुमान से कम रहने के आधार पर वैश्विक अर्थव्यवस्था और अमेरिका की आर्थिक वृद्धि का अनुमान बढ़ा दिया है। आईएमएफ ने साल 2025 में वैश्विक अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर तीन प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है जो 2024 के 3.3 प्रतिशत के आंकड़े से कम होने के बावजूद इस साल अप्रैल के 2.8 प्रतिशत पूर्वानुमान से अधिक है। 2026 में वैश्विक अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 3.1% रहने की संभावना है। आईएमएफ ने भारतीय अर्थव्यवस्था के 2025 और उसके अगले साल 6.4% की दर से बढ़ने का अनुमान जताया है। इस तरह भारत एक बार फिर सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहेगा। आईएमएफ के मुख्य अर्थशास्त्री पियरे–ओलिवर गोरिन्शास ने कहा, व्यापार से जुड़े तनाव में मामूली कमी ने वैश्विक अर्थव्यवस्था की स्थिति को अब तक संभाल रखा है। हालांकि, यह स्थायित्व स्थिर नहीं है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दो अप्रैल को अधिकांश देशों से होने वाले आयात पर 10% या उससे अधिक के शुल्क लगाए थे। हालांकि, कुछ बड़े शुल्कों को बाद में स्थगित कर दिया गया, जिससे वैश्विक व्यापार पर उनका प्रभाव सीमित रहा।

बीआरएस नेता कविता ने पिछड़ा वर्ग आरक्षण की मांग को लेकर 72 घंटे के अनशन की घोषणा की

हैदराबाद/भाषा। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) और 'तेलंगाना जागृति' की अध्यक्ष के. कविता ने मंगलवार को घोषणा की कि वह राज्य की कांग्रेस सरकार और केंद्र की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार पर पिछड़े वर्गों के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने वाले विधेयकों को मंजूरी देने का दबाव बनाने के मकसद से चार अगस्त से 72 घंटे का अनशन शुरू करेंगी।

कविता ने कहा कि इस अनशन का उद्देश्य पिछड़ा वर्ग विधेयक को पारित करने की आवश्यकता पर जोर देना है। कविता, हाल में अपने नेतृत्व वाले सांस्कृतिक संगठन 'तेलंगाना जागृति' के बैनर तले राजनीतिक गतिविधियों का आयोजन कर रही हैं।

उन्होंने कहा कि उन्होंने अविभाजित आंध्र प्रदेश के दौरान राज्य विधानमंडल परिसर में बाबासाहेब अंबेडकर की प्रतिमा स्थापित करने की मांग को लेकर 72 घंटे का अनशन किया था।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप की कोई बातचीत नहीं हुई : राजनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने राज्यसभा में कहा कि पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले और उसके बाद भारत द्वारा चलाये गए ऑपरेशन सिंदूर के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच कोई बातचीत नहीं हुई।

रक्षा मंत्री ने उच्च सदन में नेता प्रतिपक्ष की एक टिप्पणी के बाद चर्चा में हस्तक्षेप करते हुए यह बात कही। नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सदन में ''पहलगाम में आतंकवादी हमले के जवाब में भारत के मजबूत, सफल एवं निर्णायक 'ऑपरेशन सिंदूर' पर विशेष चर्चा'' में भाग लेते हुए कहा कि रक्षा मंत्री को प्रधानमंत्री से यह पूछना चाहिए कि राष्ट्रपति ट्रंप ने ऑपरेशन सिंदूर को रुकवाने के लिए मध्यस्थता करने का जो दावा कर रहे हैं, उसका वह खंडन क्यों नहीं कर रहे? इसके जवाब में रक्षा मंत्री ने चर्चा में हस्तक्षेप करते हुए कहा, हमारे विदेश मंत्री (एस जयशंकर) ने कल लोकसभा में स्पष्ट कर दिया था कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान और जब पहलगाम की घटना हुई तब से लेकर आज तक हमारे प्रधानमंत्री की (अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड) ट्रंप के साथ कोई बातचीत नहीं हुई है। यह बात सारे देश को स्पष्ट कर दी गई है।

उन्होंने कहा कि वह इस बात को फिर दोहराना चाहते हैं कि किसी के दबाव में ऑपरेशन सिंदूर स्थगित नहीं किया गया है। उन्होंने कहा, ऑपरेशन सिंदूर यदि स्थगित किया गया है तो ऐसा पाकिस्तान के डीजीएमओ (सैन्य अभियान महानिदेशक) और पाकिस्तान के राजनीतिक नेतृत्व के कहने पर हुआ है। पाकिस्तान के डीजीएमओ ने अनुरोध किया था कि आप (भारत) ऑपरेशन को रोकिए। समाप्त करिए।

भारी बारिश से दिल्ली में यातायात व्यवस्था चरमरा गई, कई इलाकों में जलभराव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली में मंगलवार को भारी बारिश के बाद कई इलाकों में व्यापक जलभराव के कारण यातायात बाधित हो गया, जिससे यात्रियों को जलमग्न सड़कों और गलियों से होकर गुजरना पड़ा।

शहर के विभिन्न हिस्सों से आई तस्वीरों में जाम लगे चौराहों पर वाहनों की लंबी कतारें दिखाई दे रही थीं। कई इलाकों में पानी घुटनों तक पहुंच गया था, जिससे कार और दोपहिया वाहन आंशिक रूप से डूब गए। आईटीओ, महरौली–गुरुग्राम रोड, दिल्ली–मेरठ एक्सप्रेसवे, नेहरू प्लेस, कैलाश कॉलोनी रोड, धौला कुआं, नारायणा, पटेल नगर, विजय चौक, जंगपुरा, आरके पुरम, लाजपत नगर, तालकटोरा रोड, आजाद मार्केट अंडरपास और जखीरा अंडरपास जैसे कई इलाकों में यातायात जाम रहा। इसके अलावा कनॉट प्लेस, सदर बाजार और चांदनी चौक सहित अन्य स्थानों पर जलभराव हुआ जिससे दुकानदारों पर असर पड़ा और व्यापारिक गतिविधियां प्रभावित हुईं। फेडरेशन ऑफ सदर बाजार ट्रेड्स एसोसिएशन ने बताया कि कुतुब रोड, तेलीवाड़ा, क्रॉकरी मार्केट, टोलियावाली गली, रुई मंडी, गांधी मार्केट और पान मंडी जैसे इलाकों में तीन से चार फुट तक पानी जमा हो जाने से स्थिति गंभीर हो गई है, जिससे पैदल निकले लोगों के लिए भी चलना मुश्किल हो गया है। एसोसिएशन ने दावा किया, बारिश होते ही सदर बाज़ार में कई घंटों के लिए बिजली गुल हो जाती है। शॉर्ट सर्किट या करंट लगने के खतरे को रोकने के लिए बिजली काट दी गई थी क्योंकि कई दुकानों में पानी घुस गया था। इस बीच, कनॉट प्लेस स्थित नई दिल्ली ट्रेडर्स एसोसिएशन (एनडीटीए) ने वाणिज्यिक परिसर के कई ब्लॉकों में जलभराव के वीडियो साझा किए।

सुकमा में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में एक नक्सली ढेर, तीन जवान घायल

सुकमा/भाषा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में मंगलवार को सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में एक नक्सली मारा गया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ के दौरान नक्सलियों द्वारा लगाए गए परिष्कृत विस्फोटक उपकरण (आईईडी) में विस्फोट होने से तीन सुरक्षाकर्मी घायल भी हुए हैं।

सुकमा जिले के पुलिस अधीक्षक किरण चव्हाण ने बताया कि मुठभेड़ सुकमा–दंतेवाड़ा जिले की सीमा से सटे जंगल में उस समय शुरू हुई जब सुरक्षाबलों का एक संयुक्त दल इलाके में नक्सल विरोधी अभियान पर था। उन्होंने बताया कि इलाके में माओवादियों की मौजूदगी की सूचना के आधार पर सोमवार को शुरू किए गए अभियान में राज्य पुलिस की दोनों इकाइयां, विशेष कार्य बल (एसटीएफ), जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) तथा केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवान शामिल हैं। अधिकारी ने बताया कि मुठभेड़ स्थल की तलाशी के दौरान, एक पुरुष नक्सली का शव बरामद किया गया। साथ ही भारी मात्रा में हथियार, गोला–बारूद, विस्फोटक सामग्री और अन्य दैनिक उपयोग की वस्तुएं भी बरामद की गईं। चव्हाण ने बताया, अभियान के दौरान एक आईईडी विस्फोट में डीआरजी के तीन जवान घायल हो गए।

किसानों की आय बढ़ाने का प्रयास निरंतर जारी, मोदी है तो मुमकिन है : चौहान

नई दिल्ली/भाषा। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को लोकसभा में कहा कि केंद्र सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है क्योंकि ''मोदी है तो मुमकिन है। उन्होंने सदन में प्रश्नकाल के दौरान कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर और कुछ अन्य सदस्यों के पूरक प्रश्नों का उत्तर देते हुए कहा कि नरेन्द्र मोदी किसान हितैषी प्रधानमंत्री हैं। चौहान ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में किसानों की आय बढ़ाने का अभियान निरंतर जारी है। हमने छह उपाय किए हैं। उत्पादन बढ़ाने का फैसला किया गया, यह प्रयास किया गया कि लागत कम हो, कृषि का विविधीकरण हो, फसल के नुकसान की भरपाई हो। अलग–अलग कई प्रयत्न किए गए हैं। उन्होंने कहा, कई किसानों की आय दोगुनी से ज्यादा बढ़ी है। हमने कई उपाय किए हैं। कृषि मंत्री ने कहा, अब कृषि का बजट 1.27 लाख करोड़ रुपए का है। 10 करोड़ किसानों को किसान सम्मान निधि दी जा रही है। मोदी है तो मुमकिन है।

टीसीएस का बाजार पूंजीकरण दो सत्र में 28,148.72 करोड़ रुपए घटा

नई दिल्ली/भाषा। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के बाजार पूंजीकरण में दो सत्र में 28,148.72 करोड़ रुपए की गिरावट आई है। कंपनी के इस साल अपने वैश्विक कार्यबल में से 12,000 से अधिक कर्मचारियों की छंटनी करने की घोषणा के बाद यह गिरावट आई है। बीएसई पर मंगलवार को कंपनी का शेयर 0.73 प्रतिशत की गिरावट के साथ 3,056.55 रुपए पर बंद हुआ। दिन में कारोबार के दौरान यह 1.23 प्रतिशत की गिरावट के साथ 3,041 रुपए पर आ गया था। एनएसई पर यह 0.72 प्रतिशत फिसलकर 3,057 रुपए पर आ गया। टीसीएस के शेयर में सोमवार को करीब दो प्रतिशत की गिरावट आई थी। दो कारोबारी सत्र में शेयर में 2.48% की गिरावट आई है।

प्रतिस्पर्धा, अल्पकालिक सफलता की चाहत से अनैतिक तरीके अपना रहे हैं कुछ बैंक : डिप्टी गवर्नर

मुंबई/भाषा। तेज प्रतिस्पर्धा का दबाव और अल्पकालिक सफलता की चाहत कुछ बैंकों और गैर–बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) को अनैतिक तरीके अपनाने के लिए प्रेरित कर रही है। भारतीय रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर (डीजी) स्वामीनाथन जे ने यह बात कही। उन्होंने करूर में निजी क्षेत्र के करूर वैश्य बैंक के स्थापना दिवस समारोह में कहा कि ऐसे ऋणदाताओं के प्रबंधन को लगता है कि ''साध्य साधन को सही ठहराता है। उन्होंने चेतावनी दी कि इस तरह की प्रथाओं से बैंकिंग प्रणाली की अखंडता में जनता का भरोसा कम होने का खतरा है। डिप्टी गवर्नर ने कहा, तेज प्रतिस्पर्धा का दबाव और अल्पकालिक सफलता की चाहत से प्रेरित होकर, कुछ बैंकों और एनबीएफसी के प्रबंधन का मानना है कि साध्य साधन को सही ठहराता है। केंद्रीय बैंक ने यह भाषण मंगलवार को वेबसाइट पर पोस्ट किया। उन्होंने कहा कि कुछ ऋणदाता रचनात्मक लेखांकन और नियमों की उदार व्याख्या जैसी प्रथाओं का सहारा ले रहे हैं, और कुछ बोर्डरूम में अपर्याप्त आंतरिक नियंत्रणों को सामान्य बनाया जा रहा है।

गर्भवती महिलाओं को कहीं बैलगाड़ी से तो कहीं चारपाई पर लिटाकर एंबुलेंस तक पहुंचाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बैतूल/भिंड (मप्र)/भाषा। मध्यप्रदेश के कई गांवों का बारिश के मौसम में उफनते नदी–नालों के कारण जिला और ब्लॉक मुख्यालय से संपर्क टूट जाने से ग्रामीणों को प्रसव सहित विभिन्न आपातकालीन परिस्थितियों में बेहद परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पिछले दिनों ऐसे दो मामले प्रमुख रूप से सामने आए। पहले मामले में एक गर्भवती महिला को बैलगाड़ी में बिठाकर नदी पार कराकर जैसे–तैसे अस्पताल पहुंचाया जबकि दूसरे मामले में प्रसव पीड़ा के बाद एक महिला को चारपाई पर लिटाकर एंबुलेंस तक पहुंचाया गया क्योंकि जलभराव और कीचड़ के चलते वाहन उसके घर तक नहीं पहुंच सका।

राहत की बात यह रही की दोनों मामलों में महिलाओं का सुरक्षित प्रसव हुआ और जच्चा–बच्चा सुरक्षित हैं। इस दौरान ग्रामीणों में सड़कों की बदहाली के लिए सरकार के खिलाफ रोष भी सामने आया। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के मुताबिक इस मानसून सत्र में मध्यप्रदेश में 418.4 मिलीमीटर की तुलना में 645.8 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई है जो सामान्य से 54 प्रतिशत अधिक है। पहली घटना बैतूल जिला मुख्यालय से करीब 60 किलोमीटर दूर स्थित चिचोली विकास खंड के गांव बोड़ रैय्यत में रविवार को घटित हुई। गर्भवती महिला सुनीता के पति बबलू आदिवासी ने 'पीटीआई–भाषा' को बताया कि उनकी पत्नी को रविवार को प्रसव पीड़ा होने लगी लेकिन भांजी नदी में बाढ़ आ जाने के कारण उन्हें जब कोई रास्ता नहीं सूझा तो ग्रामीणों से चर्चा की। उन्होंने कहा, ग्रामीणों ने हिम्मत दिखाई और सुनीता को बैलगाड़ी में लिटाकर नदी पार कराया गया और फिर एंबुलेंस से चिरापाटला अस्पताल पहुंचाया गया।

इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से साझा किया जा रहा है। इसमें देखा जा सकता है कि महिला बैलगाड़ी पर लेटी हुई है और चार–पांच लोग पीछे से धक्का देते हुए उसे दूसरे किनारे पर ले जा रहे हैं।

पहलगाम हमले के दोषियों के खात्मे पर फारूक अब्दुल्ला ने कहा, आतंकवाद कभी सफल नहीं होगा

श्रीनगर/भाषा। नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने मंगलवार को कहा कि पहलगाम हमले के दोषियों का सफाया एक सबक है कि आतंकवाद कभी सफल नहीं होगा। अब्दुल्ला ने श्रीनगर में एक समारोह से इतर पत्रकारों से बातचीत में कहा, मैंने उन्हें नहीं देखा है और मैं नहीं जानता कि वे कौन हैं। केवल वे लोग ही उन्हें पहचान सकते हैं, जिन्होंने उन्हें देखा था। अगर वे मारे गए हैं, तो यह अच्छी बात है। उन्हें सबक मिल गया है कि आतंकवाद कभी सफल नहीं होगा।

पाक गोलाबारी में माता-पिता को खोने वाले 22 बच्चों की शिक्षा का खर्च उठाएंगे राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राजौरी/जम्मू/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी जम्मू–कश्मीर के पुंछ जिले में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर पाकिस्तान की ओर से हुई गोलाबारी के दौरान अपने माता–पिता में से एक या दोनों को खो चुके 22 बच्चों की शिक्षा का खर्च उठाएंगे। पार्टी के एक नेता ने यह जानकारी दी।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष तारिक हमीद कर्रा ने विधानसभा चुनाव में अपने गठबंधन सहयोगी नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के साथ किसी भी तरह के मतभेद होने की बात से इंकार किया है, लेकिन यह भी कहा कि उनकी पार्टी पिछले नौ महीनों से सत्तारूढ़ दल के साथ समन्वय समिति के गठन का इंतजार कर रही है। राजौरी के तीन दिवसीय दौरे पर पहुंचे कर्रा ने सोमवार देर रात संवाददाताओं को बताया, पुंछ और राजौरी में (सात से 10 मई के बीच) पाकिस्तानी की ओर से हुई गोलाबारी में बड़ी संख्या में नागरिकों की जान गई और संपत्तियों को नुकसान पहुंचा। इन हमलों के बाद राहुल गांधी ने पुंछ का दौरा किया था और शोक संतप्त परिवारों से मुलाकात की थी। उन्होंने हमसे कहा कि स्कूल के ऐसे बच्चों की सूची तैयार करें, जिन्होंने अपने एक या दोनों माता–पिता, खासकर परिवार के कमाने वाले सदस्य को खो दिया है। इसके अनुसार हमने उनके पास सूची जमा कर दी। कर्रा ने कहा कि पार्टी के पास सिर्फ पुंछ जिले में ऐसे 22 बच्चों की सूची है तथा मेरी तीन दिवसीय यात्रा के अंत में इस सूची में ऐसे और बच्चों को शामिल किया जा सकता है। भारत और पाकिस्तान के बीच मई में हुए संघर्ष के दौरान पड़ोसी देश की ओर से की गई गोलाबारी और ड्रोन हमलों में जम्मू–कश्मीर के 28 लोगों की जान गई थी, जिनमें सिर्फ पुंछ जिले में 13 व्यक्तियों की मौत हुई थी।

दरअसल, जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के जवाब में भारतीय सशस्त्र बल ने मई में ऑपरेशन सिंदूर के तहत सीमा पार आतंकी ठिकानों पर मिसाइल हमले किए थे, जिसके बाद दोनों देशों के बीच संघर्ष हुआ था। पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में 26 लोगों की मौत हुई थी, जिसमें अधिकतर पर्यटक थे। कर्रा ने कहा कि वह नेता प्रतिपक्ष द्वारा प्रभावित बच्चों की शिक्षा के लिए भेजी गई वित्तीय सहायता सौंपने के लिए मंगलवार को पुंछ के दौरे पर हैं। उन्होंने कहा, यह पहल बच्चों की मदद के लिए है ताकि उनकी पढ़ाई प्रभावित न हो।

सिंधिया ने दूरसंचार साइबर धोखाधड़ी से बचाव के लिए 'संचार साथी' हितधारकों के साथ बैठक की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मंगलवार को 'संचार साथी' पहल के तहत हितधारकों के साथ बैठक की। इस पहल का मकसद दूरसंचार संबंधी साइबर धोखाधड़ी से निपटने के उपायों को मजबूत करना है। नागरिक केंद्रित डिजिटल सुरक्षा पहल 'संचार साथी' में चोरी या खोए हुए फोन को 'ब्लॉक' करने के लिए सीईआईआर, (केंद्रीय उपकरण पहचान रजिस्टर), डीआईपी (डिजिटल इंटेलिजेंस मंच), एएसटीआर (नकली दस्तावेजों पर लिए गए कनेक्शन का पता लगाना) जैसी एआई आधारित प्रणालियां शामिल हैं।

इसके अलावा संचार साथी में संभावित धोखाधड़ी का पता लगाने और उन्हें रोकने के लिए एफआरआई (वित्तीय धोखाधड़ी जोखिम संकेतक) जैसे उन्नत उपकरण शामिल हैं।

मंत्री ने 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, कानून प्रवर्तन एजेंसियों, वित्तीय संस्थानों, दूरसंचार सेवा प्रदाताओं (टीएसपी) और नागरिक योगदानकर्ताओं के साथ संचार साथी पर एक उपयोगी हितधारक बैठक की अध्यक्षता की। हम भारत में प्रत्येक मोबाइल उपयोगकर्ता की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए एक मजबूत, तेज और अधिक सहयोगात्मक प्रतिक्रिया प्रणाली बनाने के लिए दृढ़ हैं।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, अबतक 82 लाख से ज्यादा फर्जी मोबाइल कनेक्शन बंद किए जा चुके हैं। इसके अलावा 35 लाख से ज्यादा खोए या चोरी हुए फोन ब्लॉक किए गए हैं।

इसमें कहा गया कि इस पहल ने अपनी शुरुआत के सिर्फ 24 घंटों के भीतर 1.35 करोड़ फर्जी अंतरराष्ट्रीय कॉल को भी सफलतापूर्वक रोका है।

संचार साथी पोर्टल को जनता की अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। करीब 16 करोड़ लोग इसकी सेवाएं लेते हैं और हर दिन औसतन दो लाख उपयोगकर्ता इसे देखते हैं।

'इनोविज' दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के पादुर स्थित हिंदुस्तान इंटरनेशनल स्कूल ने हाल ही में अपने अंतर-विद्यालय उत्सव, इनोविज़ 2.5 के दूसरे संस्करण का आयोजन किया। जिसमें शहर भर की युवा प्रतिभाओं और नए विचारों को एक साथ लाया गया। चेन्नई के 12 प्रतिष्ठित स्कूलों के छात्रों ने विज्ञान, प्रौद्योगिकी, पब्लिक स्पीकिंग, प्रदर्शन और ललित कला, और खेल जगत से संबंधित 21 कार्यक्रमों में भाग लिया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में लेफ्टिनेंट जनरल माइकल एजे फर्नांडीज, एवीएसएम, वीएसएम, कमांडेंट, ऑफिसर्स ट्रेनिंग अकादमी उपस्थित थे, तथा उनकी पत्नी श्रीमती फर्नांडीज भी इस अवसर पर उपस्थित थीं। विजेताओं को उन्होंने पुरस्कृत किया।

राज्यपाल रवि ने आरआरयू के शैक्षणिक वर्ष का उद्घाटन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के राज्यपाल आर.एन. रवि ने राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय (आरआरयू) के नए शैक्षणिक वर्ष (2025-26) का उद्घाटन किया और इस भविष्यदर्शी विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व और विचार प्रक्रिया की सराहना की।

रक्षा शक्ति विश्वविद्यालय, जो मूल रूप से एक राज्य विश्वविद्यालय था, की स्थापना देश भर में विभिन्न आतंकवादी संगठनों और आंतरिक विभाजनकारी ताकतों द्वारा किए गए सिलसिलेवार आतंकवादी हमलों के कारण नागरिकों, संस्थानों और धार्मिक स्थलों के समक्ष उत्पन्न सुरक्षा चुनौतियों की पृष्ठभूमि में हुई थी। राज्यपाल रवि ने कहा कि वर्ष 2014 के बाद से शासन और कानून प्रवर्तन में एक बड़ा बदलाव दिखाई दे रहा है, जिसमें समान राज्य मशीनरी और तंत्र का उपयोग किया जा रहा है, और किसी भी आतंक या आंतरिक विभाजनकारी विद्रोह के प्रति शून्य सहिष्णुता सुनिश्चित की जा रही है।

उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि शत्रुबोध का ज्ञान होना आवश्यक है, यानी आपका शत्रु कौन है, जो अत्यंत महत्वपूर्ण है; और राष्ट्रबोध, राष्ट्रीय चेतना की भावना और व्यावहारिक समाधान के बारे में जागरूकता होना आवश्यक है। इसका उद्देश्य केवल शिक्षित और प्रशिक्षित करना नहीं है, बल्कि देश की प्रमुख चिंताओं, मुद्दों और चुनौतियों को जमीनी स्तर पर समझना है; गहन शोध और तकनीक के इस्तेमाल से उनकी पहचान करना और सरकार, सुरक्षा एवं पुलिस बलों को व्यावहारिक समाधान प्रदान करना। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के महत्व पर ज़ोर दिया, जो इस बात पर ज़ोर देता है कि किसी हमले के जवाब में सामरिक प्रतिक्रिया कैसे और कब शुरू और रोकी जाए, साथ ही अपनी सक्रियता को केवल लक्ष्य प्राप्ति तक सीमित रखा जाए।

आरआरयू मंच के माध्यम से राज्यपाल ने युवाओं से सभी भाषाओं का सम्मान करने और भाषाई और सांस्कृतिक विविधता पर विभाजित न होने, बल्कि इसे एक परिवार के रूप में अपनाने, एक पेड़ के रूप में अपनाने का आह्वान किया, जिसमें विभिन्न शाखाएं हों और प्रत्येक पत्ता एक दूसरे से पूरी तरह से अलग हो, फिर भी एक ही पेड़ का हिस्सा हो। इसके अलावा, उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि आरआरयू की भूमिका केवल छात्रों को शिक्षित करने या सशस्त्र सेवाओं और पुलिस कर्मियों को प्रशिक्षित करने तक सीमित नहीं है। इसके बजाय, इसे एक गुरु द्रोणाचार्य की तरह कार्य करने की आवश्यकता है जो हमारे समाज और विभिन्न क्षेत्रों में सुरक्षा बलों के मुद्दों और चुनौतियों का पता लगाए, और सरकार को व्यावहारिक समाधान प्रदान करे, जिसमें ऐसी घटनाओं या अराजकता के फैलने से पहले एहतियाती उपाय और उपाय शामिल हों, जब वह स्वयं अपनी तैयारी के चरण में हो।

आरआरयू के कुलपति पटेल ने अपने संबोधन में विश्वविद्यालय की प्रमुख उपलब्धियों की झलक प्रस्तुत की और साथ ही, विश्वविद्यालय द्वारा संचालित विविध पाठ्यक्रमों, अपनाई गई कठोर प्रशिक्षण पद्धतियों, अत्याधुनिक शोध पहलों और आरआरयू द्वारा अपनाए गए नवीन शैक्षिक स्वरूपों की जानकारी दी।

दुबे के संबोधन का अंग्रेजी रुपांतरण रुकने पर तमिलनाडु के सांसदों ने किया हंगामा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। लोकसभा में मंगलवार को तकनीकी खामी के कारण भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद निशिकांत दुबे के संबोधन का अंग्रेजी रुपांतरण कुछ समय रुक जाने पर तमिलनाडु के कुछ सांसदों ने जोरदार हंगामा किया। ऑपरेशन सिंदूर पर विशेष चर्चा के दौरान जब दुबे ने अपनी बात शुरू की तो सदन में कुछ दक्षिण भारतीय सांसदों ने संबोधन का अंग्रेजी रुपांतरण नहीं होने की शिकायत की।

इस पर पीठासीन सभापति दिलीप सैकिया ने कहा कि कुछ तकनीकी खराबी के कारण संबोधन का अंग्रेजी रुपांतरण नहीं हो पा रहा है और इस खराबी को दुरुस्त करने का प्रयास किया जा रहा है। इसके बावजूद हंगामा कर रहे सांसद शांत नहीं हुए।

दुबे ने कहा, ''आंधे घंटे तक बांग्ला में एक सांसद बोल रही थीं तब इन सांसदों को दिक्कत नहीं हुई थी और उन्होंने कोई विरोध नहीं किया था, लेकिन मेरे हिंदी में बोलने से इन्हें दिक्कत है।'' दुबे से पहले तृणमूल कांग्रेस की सयानी घोष ने अपना ज्यादातर संबोधन बांग्ला में दिया था। वह बीच-बीच में अंग्रेजी एवं हिंदी में भी अपनी बात रख रही थीं।

भाजपा सांसद ने कहा कि हंगामा कर रहे सदस्यों को अंग्रेजी से या बांग्ला से दिक्कत नहीं है, केवल हिन्दी से दिक्कत है। उन्होंने कहा कि एक दिन ऐसा आएगा, जब पूरा देश अंग्रेजी का गुलाम हो जाएगा। सैकिया ने तमिलनाडु के सांसदों को समझाने का प्रयास किया और कहा, फिलहाल आप तमिल रुपांतरण सुनिए। तमिल एक गौरवपूर्ण भाषा है। तब तक तकनीकी दिक्कत ठीक की जा रही है। हालांकि हंगामा कर रहे सांसद तब तक नहीं शांत हुए, जब तक दुबे के संबोधन का अंग्रेजी रुपांतरण शुरू नहीं हो गया।

तमिलनाडु सरकार पूर्व मंत्री से जुड़े मामलों में मुकदमे में देरी कर रही : उच्चतम न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को तमिलनाडु सरकार से इस बात को लेकर नाखुशी जताई कि वह नौकरी के बदले नकदी घोटाले'' में 2,000 से अधिक लोगों को आरोपी बनाकर राज्य के पूर्व मंत्री वी सेंथिल बालाजी से जुड़े मुकदमों की सुनवाई में देरी करने का प्रयास कर रही है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने इस प्रयास को न्यायिक प्रणाली के साथ पूर्ण धोखाधड़ी'' बताया। इसने बालाजी से जुड़े सभी लंबित मामलों को शीर्ष अदालत के समक्ष सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया और अगली सुनवाई बुधवार के लिए निर्धारित की।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा, ''हम जानना चाहेंगे कि मंत्री के अलावा कथित बिचौलिये कौन थे? मंत्री की सिफारिशों पर काम करने वाले अधिकारी कौन थे? चयन समिति के सदस्य कौन थे? नियुक्ति देने वाले अधिकारी कौन थे?'' पीठ ने कहा कि ऐसा लगता है कि राज्य सरकार यह सुनिश्चित करने का प्रयास कर रही है कि मामलों में सुनवाई बालाजी के जीवनकाल में पूरी न हो पाए। इसने कहा कि गरीब लोग, जिन्हें पूर्व मंत्री या उनके गुर्गों ने नौकरी की खातिर पैसे देने के लिए मजबूर किया था, उन्हें रिश्वत देने वालों के रूप में फंसाया जा रहा है और घोटाले'' से जुड़े मामलों में आरोपी बनाया जा रहा है।

पीठ ने राज्य सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक

सिंघवी और अमित आनंद तिवारी से कहा, ''आप (राज्य) उन पर मुकदमा चलाने के लिए अधिक उत्सुक हैं, ताकि मंत्री के जीवनकाल में मामलों की सुनवाई पूरी न हो पाए। यह आपकी कार्यप्रणाली है। यह व्यवस्था के साथ पूर्ण धोखाधड़ी है।'' सिंघवी और तिवारी ने दावा किया कि याचिकाकर्ता वाई बालाजी कथित घोटाले के पीड़ितों की ओर से उच्च न्यायालय के बजाय सीधे शीर्ष अदालत का रुख करके ''फोरम शॉपिंग'' का रास्ता अपना रहे हैं।

'फोरम शॉपिंग' का मतलब वादियों की ओर से अपने मामलों की सुनवाई के लिए जानबूझकर उस अदालत या क्षेत्राधिकार को चुनने से है, जिनके बारे में उनका मानना है कि उन्हें अधिक अनुकूल फैसला हासिल होने की संभावना है। याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने तमिलनाडु सरकार पर पूर्व मंत्री के साथ मिलीभगत करने और मुकदमे की सुनवाई लटकाने का प्रयास करने का आरोप लगाया।

शीर्ष अदालत वाई बालाजी की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें मद्रास उच्च न्यायालय के 28 मार्च के आदेश को चुनौती दी गई थी। उच्च न्यायालय ने कथित घोटाले से जुड़े मामलों में आरोपपत्रों को एक साथ जोड़े जाने के खिलाफ दायर याचिकाओं को खारिज कर दिया था। अप्रैल में एक अधीनस्थ अदालत के न्यायाधीश की ओर से उच्चतम न्यायालय में दाखिल रिपोर्ट के मुताबिक, ''नौकरी के बदले नकदी घोटाले'' में तमिलनाडु के पूर्व मंत्री से जुड़े मामलों में लगभग 2,300 आरोपी हैं।

वी सेंथिल बालाजी ने शीर्ष अदालत की फटकार के बाद 2% अप्रैल को मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के नेतृत्व वाले राज्य मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया था। उच्चतम न्यायालय ने 23 अप्रैल को बालाजी से कहा था कि वह पद और ''आजादी के बीच'' में से किसी एक को चुनें। न्यायालय ने उन्हें चेतावनी दी थी कि अगर वह मंत्री पद से इस्तीफा नहीं देते हैं, तो उनकी जमानत रद्द कर दी जाएगी।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद कितने देशों ने भारत की कार्रवाई को समर्थन दिया : द्रमुक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। द्रविड़ मुनेत्र कषगम के एक सदस्य ने राज्यसभा में सरकार से सवाल पूछा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद कितने देशों ने भारत की कार्रवाई को समर्थन दिया। राज्यसभा में द्रमुक के नेता तिरुचि शिवा ने पहलगाम में आतंकवादी हमले के जवाब में भारत के मजबूत, सफल एवं निर्णायक 'ऑपरेशन सिंदूर' पर 'विशेष चर्चा' में हिस्सा लेते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद सरकार ने विभिन्न राजनीतिक दलों के सदस्यों के प्रतिनिधिमंडलों को दूसरे देशों में आतंकवाद को लेकर पाकिस्तान के रुख और भारत की कार्रवाई के बारे में बताने के लिए भेजा था। उन्होंने कहा ''हमें यह जानना है कि कितने देशों में भारत की कार्रवाई को समर्थन दिया? आज कितने देश भारत के साथ खड़े हैं?''

शिवा ने कहा कि राजनीतिक दलों ने देश की सुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए सारे मतभेद भुला कर सरकार को समर्थन दिया। उन्होंने कहा, ''हमें यह जानने का हक है कि आखिर वह कैसी खुफिया नाकामी थी जिसके चलते 26 बेकसूर लोगों को पहलगाम में आतंकवादियों ने धर्म पूछ-पूछ कर क्रूरता के साथ मौत के घाट उतार दिया।''

उन्होंने कहा ''पर्यटकों को उच्च सुरक्षा वाले हिस्से में कैसे जाने दिया गया? वहां सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम क्यों नहीं थे? इन सवालों के जवाब कौन देगा?''

उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 के प्रावधान हटाए जाने के बाद वहां के हालात में सुधार होने के दावों पर पहलगाम हमला सवाल उठाता है। शिवा ने कहा कि ''रक्षा मंत्री ने कहा है कि परीक्षा के बाद परिणाम देखना चाहिए, न कि यह देखना चाहिए कि किसकी पेंसिल टूटी या पेन टूटा। उन्होंने कहा यह देश की रक्षा से, उसकी सुरक्षा से जुड़ा मुद्दा है। आतंकवादी आए दिन बेकसूर लोगों की जान लेते हैं। हमें इसे हल्के में नहीं ले सकते।'' उन्होंने पहलगाम हमले के बाद सिंधु जल संधि को निलंबित किए जाने पर कहा कि यह समस्या का सही समाधान नहीं है क्योंकि आम नागरिकों को निशाना बनाया जाना उचित नहीं है।

द्रमुक सदस्य ने कहा कि संसद में विपक्षी सदस्यों के सवाल उठाने पर और अपनी बात रखने पर सत्ता पक्ष के सदस्य जिस तरह व्यवधान डालते हैं, वह ठीक नहीं है। क्या यह स्वस्थ लोकतंत्र है ? सबसे पहले तो बोलने ही नहीं दिया जाता। बोलने पर संतोषजनक जवाब नहीं मिलता। उन्होंने कहा कि चीन की ओर से सतर्क रहने की जरूरत है क्योंकि चीन एक विस्तारवादी देश है और भारत की जमीन का एक हिस्सा अब तक उसके कब्जे में है।

सीएसआर के तहत चेन्नई बंदरगाह प्राधिकरण ने ढाई करोड़ के समझौते ज्ञापन किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के समग्र और समावेशी सामुदायिक विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के तहत, चेन्नई बंदरगाह प्राधिकरण ने 29 जुलाई को वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहल के तहत 2.45 करोड़ रुपये के पाँच प्रतिष्ठित संगठनों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। ये परियोजनाएँ शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सशक्तिकरण और बुनियादी ढाँचे के समर्थन जैसे क्षेत्रों में फैली हुई हैं, जो बंदरगाह के अपने मुख्य कार्यों से परे राष्ट्र निर्माण के प्रति समर्पण की पुष्टि करती हैं।

टिपकई के साथ सरकारी स्कूलों में बेंच वितरण के लिए समझौता। पैन ट्रस्ट के साथ छात्रों के लिए आत्मरक्षा कार्यक्रम और मासिक धर्म स्वच्छता सहित जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करना। स्वबोधिनी चैरिटेबल ट्रस्ट के साथ मिलकर ऑटिज़्म से पीड़ित बच्चों के लिए एक स्कूल के संचालन हेतु सहायता करना। मद्रास मेडिकल कॉलेज के साथ शिक्षण वातावरण को बेहतर बनाने हेतु व्याख्यान कक्षों में एयर कंडीशनिंग सिस्टम की स्थापना करना और श्री रामकृष्ण मठ के साथ अपने व्यावसायिक और मूल्य-आधारित प्रशिक्षण पहलों के अंतर्गत प्रशिक्षकों और प्रशिक्षुओं के आवास हेतु चार कमरों के निर्माण करने पर समझौते किए हैं।

हस्ताक्षर समारोह की अध्यक्षता चेन्नई बंदरगाह प्राधिकरण और कामराजर बंदरगाह लिमिटेड के अध्यक्ष सुनील पालीवाल, आईएएस ने की। इस अवसर पर एस. विश्वनाथन, आईएएस, उपाध्यक्ष, चेन्नई बंदरगाह प्राधिकरण; आइरीन सिंथिया, आईएएस, प्रबंध निदेशक, कामराजर बंदरगाह लिमिटेड; मुरलीकृष्णन, आईडीएएस, मुख्य सतर्कता अधिकारी, विभागाध्यक्ष और चेन्नई बंदरगाह प्राधिकरण के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

दक्षिण रेलवे के चेन्नई मंडल के लिए नए डीआरएम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय रेलवे सिग्नल इंजीनियर्स सेवा (आईआरएसएसई) के 1995 बैच के अधिकारी शैलेन्द्र सिंह ने 29 जुलाई को दक्षिण रेलवे के चेन्नई डिवीजन के डिवीजनल रेलवे मैनेजर (डीआरएम) के रूप में पदभार ग्रहण किया है। शैलेन्द्र सिंह भारतीय रेलवे में प्रमुख तकनीकी और प्रशासनिक भूमिकाओं का व्यापक अनुभव लेकर आए हैं। उन्होंने इससे पहले सिकंदराबाद मंडल में अपर मंडल रेल प्रबंधक और रेलटेल कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, सिकंदराबाद में महाप्रबंधक के रूप में कार्य किया है। उनकी तकनीकी पृष्ठभूमि में रेलवे सिग्नलिंग सिस्टम, सिग्नलिंग उपकरणों के परीक्षण और कमीशनिंग, और परियोजना इंजीनियरिंग में महत्वपूर्ण योगदान शामिल है। जबलपुर स्थित शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज (जीईसी) के पूर्व छात्र शैलेन्द्र सिंह के पास इलेक्ट्रॉनिक्स एवं दूरसंचार इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री है। शैलेन्द्र सिंह, चेन्नई डिवीजन के डिवीजनल रेलवे मैनेजर के रूप में बी. विश्वनाथ ईर्या का स्थान लेंगे।

श्रीलंकाई नौसेना ने तमिलनाडु के 5 मछुआरों को किया गिरफ्तार

चेन्नई। रामेश्वरम के पांच तमिल मछुआरों को श्रीलंकाई नौसेना ने मंगलवार तड़के कच्छतीवू (नेदुंथीवु) द्वीप के पास गिरफ्तार कर लिया। उन पर अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा (आईएमबीएल) पार कर श्रीलंकाई जल सीमा में अवैध रूप से मछली पकड़ने का आरोप है। स्थानीय मछुआरा संघ के अनुसार, ये मछुआरे सोमवार रात एक नाव से समुद्र में उतरे थे और कच्छतीवू के पास मछली पकड़ रहे थे। तभी श्रीलंकाई नौसेना की गश्ती टीम ने उन्हें घेर कर गिरफ्तार कर लिया। नौसेना ने उनकी नाव को भी जब्त कर लिया है।

सूत्रों के अनुसार, गिरफ्तार किए गए मछुआरों को श्रीलंका के कंकेसनथुरई या तलाईमन्नार ले जाया जा सकता है, जहां उन्हें स्थानीय अधिकारियों को सौंपा जाएगा और कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यह घटना हाल के दिनों में ऐसी कई घटनाओं में से एक है, जिसमें तमिलनाडु के मछुआरों को श्रीलंकाई जल सीमा में मछली पकड़ने के आरोप में पकड़ा गया है। जुलाई के मध्य में भी रामेश्वरम के सात मछुआरों को इसी तरह गिरफ्तार किया गया था। उन्हें ववुनिया की अदालत में न्यायिक हिरासत में भेजा गया और उनकी नाव भी जब्त की गई थी। इससे पहले फरवरी में एक ही अभियान में श्रीलंकाई नौसेना ने 32 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया था और पांच नावें भी जब्त की थीं।

लगातार हो रही इस तरह की गिरफ्तारियों से रामेश्वरम के मछुआरों में डर और चिंता का माहौल है। मछुआरों का कहना है कि समुद्र ही उनकी आजीविका का एकमात्र जरिया है और जब भी किसी को गिरफ्तार किया जाता है, तो अन्य मछुआरों के मन में भय उत्पन्न हो जाता है। मछुआरा संघों ने बार-बार भारत सरकार और तमिलनाडु सरकार से अपील की है कि वे श्रीलंका से इस मुद्दे पर बातचीत करें और स्थायी समाधान निकालें।

चेन्नई स्थित उपक्रम ने तिरुपति मंदिर को दान किया ढाई किलोग्राम सोना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुपति/चेन्नई। चेन्नई स्थित एक उपक्रम ने यहां श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में मंगलवार को ढाई किलोग्राम वजन का एक स्वर्ण शंख और एक चक्र दान किया, जिसकी कीमत लगभग 2.4 करोड़ रुपये है। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के प्राधिकारियों ने यह जानकारी दी।

यहां एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि कंपनी के प्रतिनिधियों ने तिरुमला मंदिर के रंगनायकुला मंडपम में टीटीडी के अतिरिक्त कार्यकारी अधिकारी वेंकैया चौधरी को दान स्वरूप ये स्वर्ण सामग्री सौंपी। विज्ञप्ति में कहा गया है, चेन्नई स्थित सुदर्शन एंटरप्राइजेज ने श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर को लगभग 2.4 करोड़ रुपये मूल्य का करीब 2.5 किलोग्राम वजन का एक स्वर्ण शंख और चक्र दान किया है। टीटीडी तिरुपति स्थित श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर का आधिकारिक संरक्षक है।

ओम प्रकाश मीणा ने मदुरै मंडल रेल प्रबंधक का कार्यभार संभाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरै। ओम प्रकाश मीणा, आईआरएसई (भारतीय रेल इंजीनियर्स सेवा), ने 28 जुलाई को दक्षिण रेलवे के मदुरै मंडल के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) का कार्यभार संभाला। उन्होंने शरद श्रीवास्तव का कार्यकाल पूरा होने पर उनका स्थान लिया है।

मीणा अपनी नई भूमिका में 25 वर्षों से अधिक का व्यापक अनुभव लेकर आए हैं। 1996 बैच के आईआरएसई अधिकारी, उन्होंने एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज, जोधपुर, राजस्थान से सिविल इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री प्राप्त करने के बाद 1998 में भारतीय रेलवे में कार्यभार संभाला। इस पद पर नियुक्ति से पहले, मीणा पूर्वी रेलवे में मुख्य अभियंता/निर्माण/सड़क सुरक्षा परियोजना के रूप में कार्यरत थे।

पूर्व उपराष्ट्रपति नायडू ने किए तिरुमला में भगवान वेंकटेश्वर के दर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुमला/चेन्नई। सामान्य भक्तों की सुविधा के लिए, भारत के पूर्व उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू ने सुझाव दिया है कि वीआईपी व्यक्ति तिरुमला में श्री वेंकटेश्वर स्वामी के दर्शन केवल वर्ष में एक बार ही करें। नायडू ने सोमवार को अपने परिवार के साथ श्रीवारी दर्शन किए। दर्शन के पश्चात, रंग नायकुल मंडपम में वैदिक पंडितों द्वारा उन्हें वेद आशीर्वचनम दिया गया। तत्पश्चात, टीटीडी के अतिरिक्त ईओ श्री वेंकैय्या चौधरी ने उन्हें तीर्थ प्रसादम भेंट किया। बाद में मंदिर प्रांगण में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि पहाड़ी देवता के दर्शन के लिए समय और स्थान सीमित है, और टीटीडी द्वारा किए गए अच्छे इंतज़ामों के बावजूद भी स्थिति चुनौतीपूर्ण बनी रहती है।

इस संदर्भ में, यदि वीआईपी व्यक्ति वर्ष में केवल एक बार ही अपने परिवार के साथ तिरुमला आएं, तो मंदिर प्रशासन को कोई कठिनाई नहीं होगी। उन्होंने कहा कि सभी जनप्रतिनिधियों को भी सामान्य भक्तों के हित में इस नियम का पालन करना चाहिए। इस अवसर पर टीटीडी बोर्ड के सदस्य भानु प्रकाश रेड्डी, मंदिर के डिप्टी ईओ श्री लोकनाथम और अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

वसुंधराराजे की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात के बाद सियासी हलचल तेज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दिल्ली/जयपुर। राजस्थान की राजनीति एक बार फिर नई हलचल के दौर में है। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात ने राजनीतिक अटकलों को हवा दे दी है। इस मुलाकात को केवल शिष्टाचार भेंट नहीं माना जा रहा, बल्कि इसे भविष्य की रणनीति से जोड़कर देखा जा रहा है। राजनीतिक गलियारों में इसे उस लंबे सिलसिले की अगली कड़ी माना जा रहा है, जहां मुलाकातें संकेत बनकर उभरती हैं। वसुंधरा राजे को लेकर पिछले कुछ समय से चर्चा थी कि उन्हें किसी बड़े संवैधानिक पद पर भेजा जा सकता है। वर्ष 2022 में उपराष्ट्रपति पद की दौड़ में उनका नाम प्रमुखता से सामने आया था, लेकिन अंतिम क्षणों में जगदीप धनखड़ को मौका मिला।

अब धनखड़ के इस्तीफे के बाद यह पद फिर से खाली हुआ है। ऐसे में पार्टी के भीतर यह विचार चल रहा है कि राजस्थान से किसी वरिष्ठ नेता को उपराष्ट्रपति बनाकर जाट समुदाय को साधा जाए। लोग कयास लगा रहे हैं कि वसुंधरा राजे और ओम माथुर इस दौड़ में शामिल हैं, लेकिन वसुंधरा राजे या उनके समर्थकों की ओर से इस बारे में कोई संकेत नहीं दिया गया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी बीते दिनों दिल्ली में सक्रिय रहे। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के अलावा केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर और जलशक्ति मंत्री सीआर पाटिल से मुलाकात की। इन मुलाकातों को राज्य में चल रही विकास योजनाओं और केंद्रीय सहयोग से जोड़कर देखा जा रहा है। लेकिन प्रधानमंत्री से वसुंधरा राजे की मौजूदगी में मुलाकात को पार्टी के अंदर समन्वय और संतुलन साधने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह मुलाकात दोहरे संकेत दे रही हैएक ओर यह वसुंधरा राजे की संभावित राष्ट्रीय भूमिका का संकेत हो सकती है, तो दूसरी ओर राजस्थान की राजनीति में संतुलन साधने की कवायद भी मानी जा सकती है। वसुंधरा खेमे के नेताओं में लंबे समय से यह नाराज़गी है कि सरकार बनने के डेढ़ साल बाद भी उन्हें अपेक्षित प्रतिनिधित्व नहीं मिला। मंत्रिमंडल विस्तार और राजनीतिक नियुक्तियों के लिए भी यह मुलाकात अहम मानी जा रही है। जानकारों का कहना है कि वसुंधरा अपने खेमे के नेताओं के लिए हिस्सेदारी सुनिश्चित करना चाहती हैं।

धनखड़ के जाने के बाद बीजेपी के लिए जाट समुदाय को साधना एक बड़ी चुनौती बन सकता है। ऐसे में पार्टी को ऐसा चेहरा चाहिए जो पूरे राज्य में प्रभाव रखता हो और जो जाट सहित अन्य प्रभावशाली समुदायों में स्वीकार्य भी हो। इस कसौटी पर वसुंधरा राजे का नाम स्वाभाविक रूप से चर्चा में आता है। राजनीति में मुलाकातें अक्सर इत्तेफाक नहीं होतीं। मोदी और वसुंधरा की यह बैठक भी एक संकेत हो सकती हैया तो एक संभावित राष्ट्रीय जिम्मेदारी का, या फिर राजस्थान में पार्टी संगठन और सरकार के बीच नया राजनीतिक संतुलन साधने की रणनीति का। अब देखना यह है कि दिल्ली की इस मुलाकात का असर राजस्थान की सियासत में कब और कैसे दिखता है।

वन मंत्री ने किया रणथंभौर की 'मछली लेडी ऑफ द लेक्स' बाघिन को समर्पित स्मारक का अनावरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। ग्लोबल टाइगर डे, 29 जुलाई के अवसर पर मंगलवार को वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने रणथंभौर टाइगर रिजर्व की गौरवशाली और विश्वविख्यात बाघिन ''मछली'' (टी-16) को चिरस्थायी स्मृति देने हेतु जोगी महल गेट, रणथम्भौर पर भव्य स्मारक का अनावरण किया। वन राज्यमंत्री ने ग्लोबल टाइगर डे की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि रण्थम्भौर टाईगर रिजर्व राज्य के वन्य जीव पर्यटन मानचित्र का बड़ा सिम्बल है। इसके संरक्षण एवं संवर्धन के लिए राज्य सरकार संकल्पबद्ध है। रण्थम्भौर टाईगर रिजर्व क्षेत्र को आबाद करने में बाघिन मछली (टी-16) की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

उन्होंने कहा कि देश में टाईगर का यह द्वितीय स्मारक है। वन विभाग की ओर से यह स्मारक बाघिन मछली (टी-16) को सच्ची श्रद्धांजलि है। शावको के साथ मछली प्रदर्शित करता यह स्मारक न केवल उसकी विरासत को जीवंत करता है बल्कि रणथंभौर भ्रमण पर आने वाले पर्यटकों एवं त्रिनेत्र गणेश मंदिर के श्रद्धालुओं के लिए वन्यजीव संरक्षण की एक प्रेरणास्पद झलक भी प्रस्तुत करेगा।

उल्लेखनीय है कि रणथम्भौर की सबसे प्रसिद्ध बाघिन मछली (टी-16) का जन्म 1997 में हुआ। अपने चेहरे पर मछली जैसी आकृति के कारण उसे यह नाम मिला और वर्षों तक पदम तालाब, राजबाग और मलिक तालाब जैसे झीलों वाले क्षेत्र पर नियंत्रण रखने के कारण लेडी ऑफ द लेक्स एवं एक विशाल मगरमच्छ को परास्त कर क्रोकोडाइल किलर भी कहलाई। मछली ने 5 बार शावकों को जन्म दिया और 2004-05 के शिकार संकट के समय रणथंभौर को पुनः आबाद किया। रणथंभौर की वर्तमान बाघ आबादी का एक बड़ा हिस्सा मछली के वंशजों से बना है जिनमें सुंदरी (टी-17) और ऐरोहेड (टी-84) जैसे नाम शामिल हैं। मछली की ही संतान बाघिन एसटी-2 राजमाता ने अलवर के सरिस्का को आबाद किया। 2016 में लगभग 19 वर्षों की आयु में मछली का देहांत हुआ, जो किसी जंगली बाघिन के लिए अभूतपूर्व आयु मानी जाती है। बाघिन मछली के जीवन पर बनी डॉक्यूमेंट्री ''द वल्डर्स मोस्ट फेमस टाइगर'' को राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार भी प्राप्त हुआ। वर्ष 2013 में भारत सरकार ने मछली पर स्मारक डाक टिकट जारी कर उसे राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया।

कार्यक्रम में नवचयनित 107 वन्यजीव गाइड को प्रशिक्षण समापन प्रमाण-पत्र भी प्रदान किए गए। वन्यजीव गाइड खुश बैरवा (विस्थापन श्रेणी) और उमेश सैनी (ईडीसी श्रेणी) को रणथंभौर संरक्षण में उत्कृष्ट योगदान हेतु सम्मानित किया गया। इस अवसर पर शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत इस वर्ष 10 करोड़ पौधे लगाने का संकल्प लेकर हरियाली को जन आंदोलन बना रही है।

यह पहल भविष्य के हरित राजस्थान की नींव बनेगी। खण्डार विधायक जितेंद्र गोठवाल ने गणेश मेले से पूर्व किला परिसर में दीवार निर्माण एवं मरम्मत व परिक्रमा मार्ग की सुरक्षा व्यवस्थाओं पर अधिकारियों से चर्चा कर व्यवस्थाएं सुदृढ़ करने पर बल दिया।

उन्होंने बाघ विस्थापन, स्थानीय वन विकास व संरक्षण योजनाओं पर भी सार्थक सुझाव दिए। कार्यक्रम से पूर्व आलनपुर में रणथंभौर टाइगर रिजर्व की नवीन नर्सरी का उद्घाटन कर वन राज्य मंत्री संजय शर्मा, विधायक जितेन्द्र गोठवाल, जिला कलक्टर कानाराम, पुलिस अधीक्षक अनिल बेनीवाल एवं अन्य अतिथियों द्वारा सिन्दूर, अशोक और कदम के पौधे लगाए गए।

इस अवसर पर पूर्व विधायक मानसिंह गुर्जर, पीसीसीएफ शिखा मेहरा, एपीसीसीएफ डॉ. राजेश गुप्ता, सीसीएफ अनूप के.आर., डीसीएफ रामानंद भाकर एवं डीसीएफ प्रमोद धाकड़ सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय वैज्ञानिक और तकनीकी अनुसंधान द्वारा युवाओं में तार्किक एवं रचनात्मक क्षमता विकसित करें : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि ज्ञान का परिदृश्य पूरे विश्व में तेजी से परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है, वैज्ञानिक और तकनीकी अनुसंधान के चलते विश्वभर में कुशल कामगारों की जरूरत और मांग बढेगी। युवाओं को तार्किक एवं रचनात्मक रूप से सोचते हुए विविध विषयों के बीच अर्न्तसंबंधों और बदलती परिस्थितियों के अनुसार स्वयं को तैयार करना होगा। राज्यपाल बागड़े मंगलवार को भरतपुर जिले के बीडीए ऑडिटोरियम में महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय के पंचम दीक्षान्त समारोह में सम्बोधित कर रहे थे।

राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालयों में बौद्धिक क्षमता के आंकलन की सुव्यवस्थित पद्धति होनी चाहिए जिससे युवाओं के कौशल एवं ज्ञान का पारदर्शिता से आंकलन हो सके। उन्होंने कहा कि शिक्षा एक बीज की भांति है जो निरंतर जीवन को निखारने का कार्य करती है। जिस प्रकार बीज एक पेड़ बनकर समाज को ऑक्सीजन, फल, फूल, छाया, ईंधन आदि देने का कार्य करता है उसी प्रकार शिक्षा प्राप्त करने वाले को भी अपनी ज्ञान का उपयोग समाज की प्रगति में करना चाहिये। शिक्षा का उद्देश्य जीविकोपार्जन तक सीमित नहीं रहना चाहिए बल्कि इसका उपयोग समाज को दिशा देने एवं उत्थान के लिए होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति एवं पुरातन शिक्षा पद्धति विश्वभर में अग्रणी रही है, उच्च शिक्षा के लिए गुरूकुल परम्परा शोध, अनुसंधान के साथ जीवन के सर्वांगीण विकास का आधार होती थी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों में हमारी पुरातन संस्कृति एवं शिक्षा को संरक्षित करते हुए शोध कार्य को प्रोत्साहन मिले इस दिशा में कार्य करना चाहिए। अनुसंधान नये ज्ञान का सृजन करता है इसे समाज के उत्थान में काम लेकर युवा देश के विकास में भागीदार बनें।

बागड़े ने विश्वविद्यालय के शिक्षाविदों को आव्हान किया कि शिक्षा को उन्मुक्त बनाकर अधिक से अधिक फैलाऐं, जितना विस्तार होगा युवाओं में उतना ही बौद्धिक क्षमता का विकास होगा। उन्होंने कहा कि युवाओं को हमारी संस्कृति एवं अनुसंधान पद्धति पर गर्व हो इसके लिए विश्वविद्यालयों को कार्य योजना बनाकर आगे बढने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि न्यूटन ने गुरूत्वाकर्षण का सिद्धांत 16 वीं सदी में दिया था जबकी भास्कराचार्य ने लीलावती ग्रंथ में काफी पहले ही सौरमंडल में गुरूत्वाकर्षण के बारे में बता दिया था। उन्होंने कहा कि जब विश्व में उच्च शिक्षा के लिए 6 विश्वविद्यालय हुआ करते थे उस समय भारत में दो विश्वविद्यालय नालंदा एवं तक्षशिला विद्यमान थे जिनमें विदेशी विद्यार्थी भी विद्या प्राप्त करने आते थे। उन्होंने कहा कि समारोह में बालिकाओं की संख्या अधिक है हर क्षेत्र में नारी शक्ति अपनी पहचान सिद्ध कर रही है।

उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि विश्वविद्यालय ज्ञान का प्रकाश फैलाने वाले आलोक रहे हैं यहीं से ज्ञान का प्रकाश विद्यार्थियों के जरिये चहुंओर फैलता है। उन्होंने कहा कि आचार्य शास्त्रों के ज्ञान के सत्य को अपने विद्यार्थियों में संप्रेषित कर उन्हें बौद्धिक सामर्थ्य के साथ तैयार करें जिससे समाज को नई दिशा मिल सके। इस दौरान विश्वविद्यालय के कुलगुरू प्रोफेसर त्रिभुवन शर्मा ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों के बारे में जानकारी दी।

नवनिर्मित स्कूल भवनों में प्रारंभ करें कक्षाएं, उद्घाटन का नहीं करें इंतजार : दिलावर

जयपुर। राजस्थान के शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने प्रदेश में स्कूल भवन अथवा नवनिर्मित कक्षा कक्षों में कक्षाएं लगाना प्रारंभ करने के निर्देश दिए हैं। दिलावर ने प्रदेश में सभी संस्था प्रधानों एवं जिला शिक्षा अधिकारियों को यह निर्देश दिए है कि वे इसके लिए नवनिर्मित भवन के उद्घाटन का इंतजार नहीं करें।

उन्होंने कहा कि सरकार प्रदेश के स्कूल भवनों का सर्वे कर रही है तथा जो जर्जर या खतरनाक स्थिति में है उनमें कक्षाएं न लगाने के लिए निर्देश दे चुकी है और बरसात के मौसम के मद्देनजर अतिरिक सावधानी की आवश्यकता है। संस्था प्रधान अपने स्तर पर भी बच्चों की सुरक्षा को लेकर संवेदनशील रहे। किसी तरह की कोई लापरवाही नहीं करे। उन्होंने कहा कि विद्यालय में नवनिर्मित कक्षा कक्षों एवं भवन का उपयोग तत्काल शुरू करे। उद्घाटन करने का इंतजार नहीं करे। नवनिर्मित कमरों में कक्षाएं संचालित करे। बच्चों की सुरक्षा को लेकर किसी प्रकार की गफलत में ना रहे। हर स्तर पर बच्चों की सुरक्षा सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण द्वारा राजस्थान के 2746 स्कूलों में शौचालय निर्माण कराए जाएंगे। इसके लिए निदेशालय स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण ने 31 जुलाई तक राजकीय विद्यालयों में आवश्यकता अनुसार शौचालय निर्माण की समस्त स्वीकृतियां भेजने के आदेश दिए हैं। गत दिनों दिलावर की अध्यक्षता में आयोजित पंचायती राज विभाग की बैठक में दिलावर ने निर्देश दिए थे कि राज्य के 4283 राजकीय विद्यालयों में 5840 शौचालय निर्माण की आवश्यकता है।

प्रेमचंद बैरवा का सुरक्षाकर्मी दुर्घटना का शिकार, एक की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । राजस्थान के डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा की सुरक्षा में तैनात दो जवानों की मंगलवार सुबह ड्यूटी के दौरान जयपुर में सड़क दुर्घटना हो गई। एमआई रोड पर हुए इस हादसे में एक जवान की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल है और उसका इलाज एसएमएस हॉस्पिटल के ट्रॉमा सेंटर में जारी है। जानकारी के अनुसार दोनों जवान रामवतार और मनोज मीणा डिप्टी सीएम के भरतपुर दौरे के लिए ड्यूटी पर जा रहे थे। सुबह करीब 8 बजे गवर्नमेंट चौराहे के पास उनकी बाइक हादसे का शिकार हो गई। मौके पर मौजूद लोगों और पुलिस ने दोनों को तत्काल एसएमएस ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया।

ट्रोमा सेंटर इंचार्ज डॉ. अनुराग धाकड़ के अनुसार, रामवतार की हालत अत्यंत नाजुक थी। एक्सीडेंट में उसकी हृदय की मुख्य धमनियों में गंभीर चोट आई थी। तमाम प्रयासों के बावजूद डॉक्टर उसे नहीं बचा सके। वहीं, मनोज मीणा की स्थिति स्थिर बताई जा रही है और वह डॉक्टरों की निगरानी में है।

दुर्घटना की सूचना मिलते ही उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा स्वयं अस्पताल पहुंचे। उन्होंने डॉक्टरों से दोनों जवानों की हालत की जानकारी ली और बेहतर इलाज के निर्देश दिए। प्रेमचंद बैरवा मंगलवार को भरतपुर विकास प्राधिकरण के ऑडिटोरियम में आयोजित महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में शामिल होने जा रहे थे। उसी ड्यूटी के सिलसिले में दोनों जवान सफर पर निकले थे। यह हादसा न केवल जवानों के लिए बल्कि पूरे प्रशासनिक अमले के लिए दुखद और चिंतन का विषय बन गया है। जवान की कर्तव्य के प्रति निष्ठा और बलिदान को समाज कभी भुला नहीं पाएगा।

भारी बारिश से कई जिलों में जलभराव

जयपुर। राजस्थान के कई जिलों में लगातार भारी बारिश के कारण जलभराव एवं बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए हैं। राज्य की कई नदियां उफान पर हैं और पानी निकालने के लिए बांधों के गेट खोलने पड़े हैं। लगातार बारिश से सबसे अधिक प्रभावित जिलों में कोटा, बूंदी, झालावाड़, धौलपुर एवं टोंक शामिल हैं। कई बांधों से पानी छोड़े जाने के कारण निचले इलाकों में बसे गांव जलमग्न हो गए हैं। इसी तरह परवन नदी के उफान पर होने के कारण बारां-झालावाड़ राजमार्ग भी बंद है। झालावाड़ में भवानीमंडी के कई गांव रेवा नदी के उफान पर होने के कारण जलमग्न हो गए हैं।

झालावाड़ के जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ट्रैक्टर पर सवार होकर प्रभावित इलाकों में पहुंचे। भारी बारिश के कारण बूंदी, उदयपुर और दौसा में हुए हादसों में स्कूल, घर और सड़कें क्षतिग्रस्त हो गई हैं। उदयपुर के कोटड़ा की पीपला ग्राम पंचायत के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के दो कमरे सोमवार रात ढह गए। मौसम विभाग के अनुसार, मंगलवार सुबह साढ़े आठ बजे तक पिछले चौबीस घंटे में कई जगह हल्की से भारी बारिश दर्ज की गई। सर्वाधिक बारिश अटरू (बारां) में (109.0 मिलीमीटर) दर्ज की गई। इस दौरान सर्वाधिक अधिकतम तापमान गंगानगर में (40.3 डिग्री सेल्सियस) दर्ज किया गया। मौसम केंद्र, जयपुर के अनुसार मंगलवार को दक्षिण-पूर्वी एवं उत्तर-पूर्वी राजस्थान के कुछ भागों में भारी, अतिभारी और कहीं-कहीं अत्यंत भारी बारिश होने की प्रबल संभावना है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से की मुलाकात, राजस्थान के विकास पर चर्चा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की।मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री से मिलकर राजस्थान के विकास पर चर्चा की। सीएम ने उनके दूरदर्शी नेतृत्व एवं निरंतर सहयोग के लिए राजस्थान की ओर से हृदय से आभार व्यक्त किया। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में पिछले 11 वर्षों में भारत ने नई ऊंचाइयों को छूते हुए विश्वपटल पर अग्रणी राष्ट्र के रूप में स्वयं को स्थापित किया है। उनके कुशल मार्गदर्शन में पिछले डेढ़ वर्ष से राजस्थान निरंतर विकास की सभी बाधाओं को पार करता जा रहा है और नई ऊंचाइयां छू रहा है।

हमारी डबल इंजन की सरकार लगातार राजस्थान को एक आदर्श राज्य बनाने की दिशा में कार्य कर रही है, जहां प्रत्येक किसान, युवा, महिला, गरीब और वंचित वर्ग को न्याय मिल रहा है और वे अपनी पूर्ण क्षमता के साथ सम्मान युक्त जीवन जी रहे हैंप्रधानमंत्री मोदी ने आने वाले समय में राजस्थान को और अधिक सहयोग देने का आश्वासन दिया है।

पीएम मोदी के नेतृत्व में आतंकवाद के खिलाफ कड़े कदम उठाए गए: जोगाराम पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल ने केंद्र और राज्य सरकार की उपलब्धियों की सराहना की। उन्होंने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने आतंकवाद के खिलाफ मजबूत कदम उठाए हैं और देश की सरहदों की रक्षा की है। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस ने विदेश नीति के जानकार नेता मनीष तिवारी को जानबूझकर महत्वपूर्ण मंचों पर बोलने से रोका, ताकि भारत के सैन्य अभियानों और आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाइयों की सच्चाई सामने न आए। जोगाराम पटेल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं ने हमेशा देशवासियों के सामने तथ्यों को पारदर्शी तरीके से रखा है। 1948 से 1971 तक कांग्रेस ने अपने शासनकाल में भारत के कई क्षेत्रों को विदेशी ताकतों के हाथों सौंप दिया, चाहे वह बांग्लादेश युद्ध हो या चीन के साथ युद्ध। इसके विपरीत, पीएम मोदी ने विश्व स्तर पर भारत का मान बढ़ाया और देश की एकता व अखंडता को मजबूत किया। गाजा जैसे मुद्दों पर किसी को भी भारत के खिलाफ बोलने का अधिकार नहीं है। मंत्री ने पीएम मोदी को विश्व के सर्वमान्य नेता बताते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में भारत अखंडता की दिशा में आगे बढ़ रहा है। ईश्वर से प्रार्थना की कि पीएम मोदी को इस लक्ष्य को प्राप्त करने की शक्ति मिले। प्रधानमंत्री इस दिशा में दिन-रात अथक परिश्रम कर रहे हैं। राजस्थान के संदर्भ में जोगाराम पटेल ने बताया कि राज्य के लगभग सभी बांध अब पूरी तरह भर चुके हैं और कई बांधों के गेट खोल दिए गए हैं, जिससे वे ओवरफ्लो हो रहे हैं। उन्होंने इसका श्रेय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के दृढ़ संकल्प और उनकी ईश्वर के प्रति भक्ति को दिया और कहा, जहां भक्ति है, वहां ईश्वर की कृपा है।

जैसलमेर जिले में स्कूल हादसा मामले में कार्यवाहक प्रिंसिपल सुमन बाला निलंबित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जैसलमेर। राजस्थान में जैसलमेर के पूनम नगर स्कूल हादसे के बाद जिले के सभी सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों एवं आंगनवाड़ी केंद्रों में ग्राउंड ऑडिट के लिए 29 से 31 जुलाई तक अवकाश घोषित कर दिया गया है वहीं इस मामले में स्कूल की कार्यवाहक प्रिंसिपल सुमन बाला को निलंबित कर दिया गया है। सीडीईओ शंकर सिंह उदावत ने बताया कि जिला प्रशासन ने निर्णय लिया है कि 29 से 31 जुलाई तक जैसलमेर जिले के सभी राजकीय एवं निजी विद्यालयों सहित समस्त आंगनवाड़ी केन्द्रों में विद्यार्थियों के लिए अवकाश रहेगा।

इस दौरान सभी विद्यालयों की ग्राउंड ऑडिट की जाएगी जो विद्यालय फिट होंगे उसी को वापस खोलने के आदेश दिए जायेंगे। उन्होंने बताया कि विद्यालय एवं आंगनवाड़ी भवनों की गहनता से जांच की जाएगी, जिसमें भवनों की संरचनात्मक स्थिरता, प्रवेश द्वार, शौचालय, चारदीवारी, छत तथा अन्य भौतिक सुविधाओं की स्थिति का निरीक्षण किया जाएगा।

संबंधित विभागों को निर्देशित किया गया है कि निरीक्षण कार्य समयबद्धता एवं गंभीरता से पूर्ण कर आवश्यक रिपोर्ट जिला प्रशासन को प्रस्तुत करें। उन्होंने बताया कि जो स्कूल पूरी तरह सुरक्षित होंगे उन्हीं में विद्यायल संचालित हो सकेंगे। उन्होंने बताया कार्यवाहक प्रधानाचार्य सुमन बाला (मूल पद वरिष्ठ अध्यापक) , राबाउमावि हाबूर पंचायत समिति सम, जिला-जैसलमेर में कार्यरत रहने के दौरान विद्यालय का प्रवेश द्वार के कुछ समय पूर्व क्षतिग्रस्त होने के बाद इसका मलबा एक तरफ हटाने के उपरांत भी एक क्षतिग्रस्त पीलर को यथास्थान छोड़ दिया गया। साथ ही इसके लिये कोई सुरक्षात्मक उपाय नहीं किये गये। विद्यालय में वैकल्पिक प्रवेश द्वार होने के बावजूद छात्राओं का आवागमन इस क्षतिग्रस्त द्वार से ही होने के कारण सोमवार को स्कूल प्रवेश द्वार के पीलर गिर जाने से राउमावि, पूनमनगर के एक छात्र की मृत्यु हुई।

श्रीमती सुमन बाला, कार्यवाहक प्रधानाचार्य द्वारा दायित्व निर्वहन में लापरवाही बरतने, क्षतिग्रस्त पीलर होने के उपरांत भी कोई सुरक्षात्मक उपाय नहीं किये जाने एवं वैकल्पिक द्वारा का उपयोग आवागमन के लिए नहीं किये जाने से यह घटना घटित हुई ।

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने राहुल, प्रियंका गांधी वाद्रा पर साधा निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद निशिकांत दुबे ने लोकसभा में मंगलवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी एवं प्रियंका गांधी वाद्रा पर निशाना साधते हुए कहा कि दोनों नेताओं को पंडित जवाहरलाल नेहरू के बारे में चर्चा होने पर दिक्कत है, लेकिन देश के प्रथम प्रधानमंत्री ने जो कार्य किए हैं, उसे जानने और इस बारे में बात करने का हर देशवासी को अधिकार है।

दुबे ने 'ऑपरेशन सिंदूर' पर विशेष चर्चा में हिस्सा लेते हुए कहा कि नेहरू भले ही राहुल एवं प्रियंका के परदादा रहे हों लेकन देश की जनता को उनके (नेहरू के) बारे में जानने और बात करने का अधिकार है। भाजपा सांसद ने लियाकत अली की एक पुस्तक का हवाला देते हुए नेहरू पर शुरू से ही परिवारवादी होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि लियाकत अली भारत में ही रहकर राजनीति करना चाहते थे, लेकिन नेहरू ने अपनी बहन विजय लक्ष्मी पंडित को सोवियत संघ में भारतीय राजदूत नियुक्त किया था, जिससे दु:खी होकर अली ने पाकिस्तान जाने का फैसला किया।

दुबे ने कहा कि जब देश की आजादी के बाद कम से कम 600 रियासतें भारत में विलय हुईं तो नेहरू कश्मीर का मुद्दा अंतरराष्ट्रीय मंच पर क्यों ले गए। भाजपा सांसद ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि 1971 के युद्ध में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले फील्ड मार्शल मानेक शॉ को 2007 तक पेंशन नहीं दी गई। उन्होंने कहा कि तत्कालीन राष्ट्रपति ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने 2008 में पेंशन शुरू की। दुबे ने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर में कितने विमान गिरे, इसकी जानकारी मांगने वाली कांग्रेस को यह बताना चाहिए था कि 1962, 1965 और 1971 के युद्ध में हमारे कितने विमान गिरे थे। उन्होंने कहा कि तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने इस बारे में आज तक कोई रिपोर्ट संसद में नहीं रखी।

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को वापस न ले पाने को लेकर भाजपा-नीत सरकार की आलोचना किए जाने की चर्चा करते हुए दुबे ने कहा, हम पीओके लेकर रहेंगे।

राज्यसभा में नड्डा ने अपने शब्द वापस लिए, खरगे से माफी मांगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा में मंगलवार को उस समय कांग्रेस सदस्यों ने भारी हंगामा किया जब सदन के नेता जेपी नड्डा ने नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बारे में एक आपत्तिजनक टिप्पणी की। हालांकि नड्डा ने बाद में अपने शब्द वापस ले लिए और खरगे से माफी मांगी। पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर विषय पर सदन में चर्चा के दौरान कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने अपना लंबा भाषण दिया। उनका भाषण समाप्त होने के बाद नड्डा ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बारे में कुछ ऐसी बातें की हैं, जो उनके जैसे कद के नेता (खरगे) के अनुकूल नहीं है।

भाजपा नेता ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी दुनिया में सबसे लोकप्रिय नेता हैं और न केवल भाजपा बल्कि पूरे देश को इस पर गर्व हैं। नड्डा ने आसन से मांग की कि प्रधानमंत्री के बारे में खरगे के आपत्तिजनक शब्दों को सदन की कार्यवाही से निकाल दिया जाना चाहिए। इसी दौरान उन्होंने एक ऐसा आपत्तिजनक शब्द कहा जिस पर कांग्रेस के सदस्य नाराज हो गए। इस मुद्दे को लेकर सदन में कुछ देर हंगामा हुआ। उस शब्द पर आपत्ति जताते हुए खरगे ने मांग की कि नड्डा को माफी मांगनी चाहिए। नड्डा ने कहा कि वह अपने शब्द वापस लेते हैं और अगर उनके किसी शब्द से खरगे आहत हुए हैं तो वह खेद जताते हैं। उन्होंने कहा, ...मैंने अपने शब्द वापस लिए हैं। आपकी भावना को ठेस पहुंची है तो उसके लिए क्षमा भी मांगता हूं। लेकिन भावावेश में आप भी बहुत बह गए।

मेरी मां के आंसुओं की बात हुई, पर यह नहीं बताया गया कि ऑपरेशन सिंदूर क्यों रुका : प्रियंका गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने मंगलवार को सरकार पर तीखा हमला बोला और कहा कि गृह मंत्री अमित शाह ने इतिहास का पाठ पढ़ाया तथा उनकी मां के आंसुओं तक की बात की, लेकिन यह नहीं बताया कि जब पाकिस्तान ने घुटने टेक दिए थे तो ऑपरेशन सिंदूर को अचानक क्यों रोक दिया गया। प्रियंका ने लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर विशेष चर्चा में भाग लेते हुए यह भी कहा कि उनकी मां सोनिया गांधी के आंसू तब गिरे थे जब उनके पति (राजीव गांधी) को आतंकवादियों ने शहीद किया था।

केरल के वायनाड से लोकसभा सदस्य ने कहा, गृह मंत्री जी ने कहा कि पाकिस्तान के पास शरण में आने के बजाय कोई चारा नहीं था। सवाल है कि आपने शरण दी क्यों? आतंकी हमारे देश में आकर लोगों को मार डालते हैं और आप उन्हें शरण दे रहे हैं। आपने इस बात का जवाब अपने एक भी भाषण में क्यों नहीं दिया?'' प्रियंका गांधी ने कहा, जैसे ही शरण की बात उठी, गृह मंत्री इतिहास में चले गए। वह नेहरू जी, इंदिरा जी से लेकर मेरी मां के आंसुओं तक पहुंच गए। लेकिन इस सवाल का जवाब नहीं दिया कि जंग क्यों रुकी?'' उन्होंने कहा, सदन में मेरी मां के आंसुओं की बात की गई, मैं इसका जवाब देना चाहती हूं। मेरी मां के आंसू तब गिरे, जब उनके पति को आतंकवादियों ने शहीद किया, जब वह सिर्फ 44 साल की थीं। आज मैं इस सदन में खड़ी होकर (पहलगाम हमले में मारे गए) उन 26 लोगों की बात इसलिए कर रही हूं, क्योंकि मैं उनका दर्द जानती हूं और उसे महसूस करती हूं। इससे पहले, सदन में गृह मंत्री ने कहा था, एक सुबह मैंने टीवी पर देखा कि सलमान खुर्शीद रोते-रोते सोनिया गांधी के घर से बाहर आ रहे थे और उन्होंने कहा कि बटला हाउस की घटना देखकर सोनिया जी फूट-फूटकर रो पड़ीं। शाह ने कहा कि रोना था तो शहीद मोहनचंद्र शर्मा के लिए रोते, लेकिन इन्हें बटला हाउस के आतंकवादियों के लिए रोना आता है। कांग्रेस के कुछ सदस्यों के शोर मचाने पर शाह ने कहा, मेरे पास खुर्शीद का वह साक्षात्कार सुरक्षित रखा है और आप कहें तो मैं उसे दिखाने के लिए तैयार हूं। प्रियंका गांधी ने सदन में गृह मंत्री शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के भाषण का उल्लेख करते हुए कहा, रक्षा मंत्री का लंबा भाषण था। दूसरे भाषण भी सुने। मेरे मन में बार-बार यह बात आई कि सारी बातें कर लीं, इतिहास का पाठ पढ़ा दिया, लेकिन यह नहीं बताया कि 22 अप्रैल, 2025 को हमला कैसे हुआ और क्यों हुआ। उन्होंने सवाल किया, बैसरन घाटी में सुरक्षा क्यों नहीं थी?

प्रधानमंत्री में इंदिरा गांधी का आधा साहस भी है तो बोलें कि ट्रंप ने असत्य बोला : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को कहा कि अगर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी में इंदिरा गांधी का ''50 प्रतिशत भी साहस'' है तो उन्हें सदन में बोलना चाहिए कि भारत-पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता का दावा करने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने असत्य बात कही है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा में भाग लेते हुए यह आरोप भी लगाया कि सरकार में राजनीतिक इच्छाशक्ति नहीं होने के कारण विमानों का नुकसान हुआ।

उन्होंने कहा, अमेरिकी राष्ट्रपति ने 29 बार कहा है कि उन्होंने युद्धविराम कराया है। अगर वह गलत हैं तो प्रधानमंत्री यहां सदन में कहें कि ट्रंप असत्य बोल रहे हैं। अगर प्रधानमंत्री मं इंदिरा गांधी की तरह साहस है तो वह यहां पर कह दें कि ट्रंप झूठे हैं। कांग्रेस नेता ने कहा, अगर प्रधानमंत्री में इंदिरा गांधी का 50 प्रतिशत भी साहस है तो ट्रंप के बयान को खारिज कर दें।

अमित शाह को पहलगाम में 'सुरक्षा चूक' की जिम्मेदारी लेनी चाहिए : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

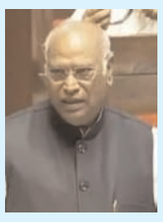

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को कहा कि गृह मंत्री अमित शाह को पहलगाम आतंकी हमले की वजह बनी 'सुरक्षा चूक' की ज़िम्मेदारी लेनी चाहिए।

उन्होंने मांग की कि पहलगाम हमले के लिए जवाबदेही तय की जानी चाहिए और 'जो जिम्मेदार हैं, उन्हें पद छोड़ देना चाहिए। खरगे ''पहलगाम में आतंकवादी हमले के जवाब में भारत के मजबूत, सफल एवं निर्णायक 'ऑपरेशन सिंदूर' पर राज्यसभा में विशेष चर्चा में हिस्सा ले रहे थे। उन्होंने जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के उस बयान का हवाला देते हुए सरकार पर हमला बोला जिसमें उन्होंने आतंकी हमले की वजह बनी सुरक्षा चूक को स्वीकार किया था। उन्होंने अमित शाह से सवाल किया, मैं गृह मंत्री से पूछना चाहता हूं कि इसके लिए कौन ज़िम्मेदार है?... जो जिम्मेदार हैं अपना पद छोड़ दें।

किसी मंत्री ने संघर्ष विराम की घोषणा क्यों नहीं की, ट्रंप से सूचना क्यों मिली: डिंपल यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) सांसद डिंपल यादव ने मंगलवार को केंद्र पर निशाना साधते हुए सवाल किया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान देश के किसी मंत्री ने या सरकार के आधिकारिक 'सोशल मीडिया हैंडल' से संघर्ष विराम की घोषणा क्यों नहीं की गई और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से देशवासियों को इसकी सूचना क्यों मिली।

सपा सांसद ने कहा कि कश्मीर में सब कुछ 'नॉर्मल' रहने का सरकार का दावा और राष्ट्रीय सुरक्षा की कीमत पर हालात सामान्य बताया जाना भी पहलगाम हमले का एक कारण था। उन्होंने कहा, मैं (केंद्र) सरकार से पूछना चाहूंगी कि आपके या हमारे परिवार का कोई भी सदस्य कश्मीर घाटी में घूमने जाता, तो क्या आप बिना सुरक्षा के उन्हें भेज देते?'' सपा सांसद ने दावा किया कि भाजपा सरकार के कहने पर ही पर्यटक इस भरोसे और विश्वास के साथ कश्मीर जा रहे थे कि वे सुरक्षित हैं। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जब हमारा पलड़ा भारी दिख रहा था, तो संघर्ष विराम की घोषणा की गई...यह किसने की? देश के किसी भी मंत्री ने या भारत (सरकार) के आधिकारिक हैंडल से क्यों नहीं किया गया। देशवासियों को अमेरिका के राष्ट्रपति (ट्रंप) से यह सूचना क्यों मिली?

झारखंड में बस और ट्रक के बीच टक्कर में छह कांवड़ियों की मौत और 24 लोग घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/देवघर/भाषा। झारखंड के देवघर में मंगलवार को एक बस और गैस सिलेंडरों से भरे ट्रक के बीच टक्कर होने से कम से कम छह कांवड़ियों की मौत हो गई और 24 अन्य लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि कांवड़ियों को ले जा रही एक बस मोहनपुर थाना क्षेत्र के जमुनिया जंगल के पास सुबह करीब साढ़े पांच बजे गैस सिलेंडर ले जा रहे एक ट्रक से टकरा गई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दुर्घटना में जान गंवाने वाले श्रद्धालुओं के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने 'एक्स' पर कहा, झारखंड के देवघर में हुई सड़क दुर्घटना अत्यंत दुखद है। इसमें जिन श्रद्धालुओं को अपनी जान गंवानी पड़ी है, उनके परिजनों के प्रति मेरी गहरी शोक-संवेदनाएं। ईश्वर उन्हें इस पीड़ा को सहने की शक्ति दे। इसके साथ ही मैं सभी घायलों के जल्द से जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। देवघर के उपायुक्त नमन प्रियेश लाकड़ा ने बताया, देवघर के जमुनिया चौक पर हुए हादसे में छह श्रद्धालुओं की मौत हो गई और 24 अन्य घायल हो गए। घायलों में से आठ व्यक्तियों को देवघर स्थित एम्स में भर्ती कराया गया है, जबकि शेष का सदर अस्पताल में इलाज कराया जा रहा है।

उत्तर प्रदेश के 500 से अधिक खिलाड़ियों को दी गई सरकारी नौकरी: योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर (उप्र)/भाषा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पदक विजेता खिलाड़ियों को सरकारी नौकरियां देने में उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी बनकर उभरा है।

उन्होंने कहा कि भारत और उत्तर प्रदेश का नाम रोशन करने वाले 500 से ज़्यादा पदक विजेता खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी दी जा चुकी है। मुख्यमंत्री ने नाग पंचमी पर गोरखनाथ मंदिर में आयोजित दो दिनी राज्य स्तरीय कुश्ती चैंपियनशिप के समापन समारोह को संबोधित करते हुए इस बात पर जोर दिया कि पिछले आठ वर्षों में उत्तर प्रदेश ने बुनियादी स्तर से लेकर गांवों में खेल के मैदानों, विकास खंड स्तर पर मिनी स्टेडियमों और जिलों में पूर्ण विकसित स्टेडियमों के निर्माण सहित खेल के बुनियादी ढांचे में उल्लेखनीय विकास किया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों के लिए आकर्षक नकद पुरस्कार और रोजगार के अवसर भी शुरू किए हैं। सरकार द्वारा जारी एक बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री ने खिलाड़ियों के लिए उठाये गए कदमों का जिक्र करते हुए कहा, अब तक ओलंपिक, एशियाई खेल, राष्ट्रमंडल खेल और विश्व चैंपियनशिप जैसे आयोजनों में भारत और उत्तर प्रदेश का नाम रोशन करने वाले 500 से ज़्यादा पदक विजेता खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी दी जा चुकी है। इस मामले में उप्र देश में अग्रणी है।

चीन 'राक्षस' है, उससे भी आतंकवाद के समान खतरा : अखिलेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव ने मंगलवार को चीन को ''राक्षस'' करार देते हुए कहा कि भारत को इस पड़ोसी देश से उतना ही खतरा है जितना कि आतंकवाद से है और वह ''हमारी जमीन एवं बाजार, दोनों छीन लेगा। उन्होंने लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर विशेष चर्चा के दौरान कहा कि जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाये जाने के दौरान केंद्र सरकार ने कहा था कि अब भविष्य में कोई आतंकी घटना नहीं होगी।

सपा प्रमुख ने कहा, लोग सरकार की ओर से दिए गए आश्वासन पर वहां (पहलगाम) गए थे। लेकिन सूरक्षा में हुई चूक की जिम्मेदारी कौन लेगा? इसके लिए जिम्मेदार कौन है? यह सबसे बड़ा सवाल है। उन्होंने पहलगाम आतंकी हमले को ''खुफिया तंत्र की नाकामी'' करार देते हुए सरकार से यह बताने की मांग की कि वह भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए क्या कदम उठा रही है। अखिलेश ने उल्लेख किया कि पहलगाम से पहले पुलवामा (2019) में भी ऐसा ही हुआ था और उस समय भी खुफिया तंत्र की नाकामी की बात कही गई थी। सपा सांसद ने ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा वाले दिन ही कश्मीर में 'ऑपरेशन महादेव' संचालित होने पर सवाल उठाते हुए कहा कि मुठभेड़ कल (सोमवार को) ही क्यों हुई? सरकार को अपनी ''आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक नीतियों के लिए 'एसआईआर' (विशेष गहन पुनरीक्षण) जरूर करवाना चाहिए'' क्योंकि वह हर बार यह कहकर नहीं बच सकती कि ''चूक'' हुई है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के नाम पर (सरकार की ओर से) जो प्रचार किया गया, वह निंदनीय है।

अखिलेश ने कहा, हमारा खतरा पाकिस्तान से नहीं है, बल्कि चीन से है। वह न केवल हमारी जमीन छीन रहा है, बल्कि बाजार भी छीन रहा है। उन्होंने सवाल किया कि देश का क्षेत्रफल 2014 में कितना था और आज कितना है? सपा सांसद ने कहा कि सरकार को आतंकवाद पर लगाम लगाने के लिए वहां (चीन) से कारोबार कम करने पर फैसला करना चाहिए। उन्होंने सवाल किया कि आत्मनिर्भर बनने का नारा क्या कुछ व्यापारियों को लाभ पहुंचाने के लिए है। उन्होंने कहा, अगर हमें पाकिस्तान से खतरा है, तो चीन 'राक्षस' है। वह हमारी जमीन और बाजार, दोनों छीन लेगा।

पुरी जगन्नाथ मंदिर की अंदरूनी तस्वीरें साझा करने के लिए एएसआई माफी मांगें : बीजद

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा में विपक्षी बीजू जनता दल (बीजद) ने मंगलवार को पुरी जगन्नाथ मंदिर के अंदर की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा करने के लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) से माफी की मांग की। एएसआई ने 12वीं शताब्दी के इस मंदिर के रत्न भंडार में किए गए जीर्णोद्धार कार्य का विवरण साझा करते हुए सोमवार को सोशल मीडिया पर मंदिर की तस्वीरें पोस्ट कीं। बाद में एएसआई ने बाद में इन फोटों को हटा लिया था।

बीजद प्रवक्ता लेनिन मोहंती ने एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि एएसआई के इस कार्य से श्रद्धालुओं की भावनाएं आहत हुई हैं और इससे मंदिर की सुरक्षा को भी खतरा पैदा हो गया है। उन्होंने कहा, मंदिर के अंदर कैमरा या कोई भी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण ले जाना गैरकानूनी है, फिर भी मंदिर के रखरखाव का प्रभार संभालने वाले एएसआई ने रत्न भंडार और भोग मंडप के प्रवेश द्वार की तस्वीरें कैसे लीं और उन्हें सोशल मीडिया पर कैसे जारी किया, इससे लोगों के मन में सवाल उठ रहे हैं। मोहंती ने कहा कि एएसआई को बिना शर्त माफी मांगनी चाहिए और जिम्मेदार अधिकारी को निलंबित किया जाना चाहिए। बीजद नेता ने राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार और श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) से भी स्पष्टीकरण देने को कहा। वहीं, कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने कहा, हां, यह हमारे संज्ञान में आया है।

दिल्ली में बांग्लाभाषी महिला और उसके बच्चे को धमकाया भी गया : ममता बनर्जी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को दावा किया कि दिल्ली में कथित रूप से मारपीट की शिकार बांग्लाभाषी महिला और उसके बच्चे को धमकी भी दी गई थी। उनके इस बयान से पहले दिल्ली पुलिस ने बनर्जी द्वारा सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक वीडियो को 'मनगढ़ंत' और 'राजनीति से प्रेरित' बताया था।

बनर्जी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा करते हुए आरोप लगाया था कि राष्ट्रीय राजधानी में एक बांग्ला भाषी महिला और उसके बच्चे पर अपनी भाषा बोलने के कारण हमला किया गया। मुख्यमंत्री ने आज कहा, जैसा कि मैंने कल अनुमान जताया था, उन्हें (महिला और उसके बच्चे को) विभिन्न थानों में ले जाया गया। उन्हें धमकाया गया। हम चाहते हैं कि वे वापस आ जाएं तथा कौन सच बोल रहा है और कौन झूठ बोल रहा है, वह अंततः साबित हो जाएगा। उन्होंने कहा कि यदि भाजपा शासित राज्यों में बांग्ला भाषी प्रवासी श्रमिकों को परेशान किया जाता है, तो उन्हें बंगाल वापस आ जाना चाहिए। दिल्ली के पुलिस उपायुक्त (पूर्व) अभिषेक धानिया ने सोमवार को बताया था कि पुलिस ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री द्वारा 'एक्स' पर साझा किए गए वीडियो का तत्काल संज्ञान लिया, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि दिल्ली पुलिसकर्मियों ने महिला और उसके बच्चे के साथ बेरहमी से मारपीट की।

ओडिशा: मंत्री से 25 लाख रुपए की ठगी का आरोपी गिरफ्तार

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा सरकार में मंत्री कृष्ण चंद्र पात्रा को ढेंकनाल जिले में जमीन दिलाने का वादा कर 25 लाख रुपए की कथित तौर पर ठगी करने के मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि राज्य के खाद्य आपूर्ति एवं उपभोक्ता कल्याण मंत्री ने 26 जुलाई को ढेंकनाल टाउन थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके आधार पर यह गिरफ्तारी की गई। ढेंकनाल टाउन थाना प्रभारी निरीक्षक प्रवत साहू ने बताया, हमने ढेंकनाल जिले के बानासिंह निवासी निरंजन सत्पथी को मंत्री से 25 लाख रुपए की ठगी करने के आरोप में गिरफ्तार कर स्थानीय अदालत में पेश किया। पुलिस के अनुसार, पात्रा ने 2021 में बानासिंह इलाके में एक प्लॉट खरीदने के लिए आरोपी को अग्रिम राशि के रूप में 25 लाख रुपए दिए थे। अधिकारी ने हालांकि शिकायत का हवाला देते हुए बताया कि आरोपी ने मंत्री को प्लॉट नहीं दिया। उन्होंने बताया कि बाद में सत्पथी ने पात्रा को दो चेक जारी किए लेकिन वे 'बाउंस' हो गए। अधिकारी ने बताया, आरोपी ने मंत्री को एक लिखित बयान भी दिया था, जिसमें पैसे वापस करने का वादा किया गया था। हालांकि, उसने अपना वादा पूरा नहीं किया। पात्रा ने सोमवार को मीडियाकर्मियों से कहा था कि उन्होंने चार साल पहले एक कंपनी में निदेशक के रूप में कार्यरत रहते हुए एक प्लॉट खरीदने के लिए अग्रिम राशि का भुगतान किया था।

आतंकवाद का खेल खेलने वाले पाकिस्तान के साथ क्रिकेट खेलना बंद हो : तृणमूल कांग्रेस सांसद घोष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। तृणमूल कांग्रेस की सांसद सागरिका घोष ने मंगलवार को कहा कि पाकिस्तान के साथ क्रिकेट खेलना बंद होना चाहिए क्योंकि यह देश भारत के खिलाफ बरसों से आतंकवाद का खेल खेलता आ रहा है।

उच्च सदन में ''पहलगाम में आतंकवादी हमले के जवाब में भारत के मजबूत, सफल एवं निर्णायक 'ऑपरेशन सिंदूर' पर विशेष चर्चा'' में हिस्सा लेते हुए तृणमूल कांग्रेस की घोष ने कहा कि सुरक्षा के तमाम बड़े बड़े दावों के बाद पहलगाम हमला कैसे हुआ, इसकी जवाबदेही तय की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि बरसों से भारत के खिलाफ आतंकवाद फैलाने वाले पाकिस्तान के साथ क्रिकेट मैच नहीं होना चाहिए।

सागरिका ने सदन में ऑपरेशन सिंदूर पर विशेष चर्चा में भाग लेते हुए यह मांग उस वक्त उठाई जब एशिया कप में 14 सितंबर को भारतीय और पाकिस्तानी क्रिकेट टीम के बीच मैच प्रस्तावित है। एशिया कप के कार्यक्रम के अनुसार चिर-प्रतिद्वंद्वी भारत और पाकिस्तान को ग्रुप 'ए' में रखा गया है और वे 14 सितंबर को दुबई अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में आमने-सामने होंगे। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के साथ क्रिकेट खेलना बंद होना चाहिए क्योंकि यह देश बरसों से हमारे खिलाफ आतंकवाद का खेल खेलता आ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया ''यह सरकार हमदर्दी शब्द को भूल चुकी है। सीमा पर जवान अपनी जान गंवाते हैं और पोस्टरों में सरकार खुद को वीर बताते हुए अपनी पीठ थपथपाती है। यह सरकार अपने लिए युद्ध का फायदा उठाना चाहती है। घोष ने कहा कि आतंकवादी हमलों का सिलसिला तो थमा ही नहीं है और आए दिन इन हमलों में कभी आम नागरिक, कभी सुरक्षा बल तो कभी प्रवासी कामगार मारे गए हैं। उन्होंने कहा ''फिर भी यह सरकार ''नया कश्मीर'' बनाने का दावा करती है। उन्होंने बांग्लादेशियों के नाम पर बांग्ला भाषी लोगों को परेशान करने का आरोप लगाया।

सुविचार

अपने आत्मविश्वास को हमेशा ऊँचा रखें, क्योंकि यही आपकी असली ताकत है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भारत का करारा जवाब

भारतीय सुरक्षा बलों ने 'ऑपरेशन महादेव' के तहत पहलगाम हमले के गुनहगार तीन आतंकवादियों का खात्मा कर सराहनीय कार्य किया है। देश को पूरा भरोसा था कि पहलगाम में निर्दोष नागरिकों की हत्याएं करने वालों को हमारे सुरक्षा बल बख्शेंगे नहीं; भले ही कुछ समय लग जाए। आखिरकार यही हुआ। पहलगाम की घटना को अंजाम देने वाले आतंकवादियों का खात्मा तय था, लेकिन 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत जिस तरह पीओके से लेकर पाकिस्तान में चल रहे आतंकी अड्डों और पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों को उड़ाया गया, उससे इस पड़ोसी देश में खौफ का माहौल है। आज जो लोग कह रहे हैं कि ऑपरेशन से क्या हासिल हुआ, उन्हें एक बार पाकिस्तानी समाचार चैनलों और सोशल मीडिया पेजों को देखना चाहिए। भारतीय मिसाइलों ने जिस तरह अग्नि बरसाई थी, उसकी तपिश वहां अब तक महसूस की जा रही है। पाकिस्तान भलीभांति समझ चुका है कि अगर उसने अब कोई हिमाकत की, तो भारत की ओर से जो जवाब आएगा, वह और ज्यादा घातक होगा। जो नेता भारतीय सशस्त्र बलों की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए यह कह रहे हैं कि 'देश पहलगाम हमले के आतंकियों के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर नहीं, ऑपरेशन तंदूर चाहता था', उन्हें समझना होगा कि इस बार तो पाकिस्तान ने खुद स्वीकार किया कि उसके यहां जबर्दस्त तबाही मची थी। कई अंतरराष्ट्रीय चैनलों ने दिखाया कि भारतीय मिसाइलें कंक्रीट और लोहे से बनीं मजबूत इमारतों (जिनमें पाकिस्तानी आतंकवादी मौजूद थे) को इस तरह काटती हुईं अपने लक्ष्य तक पहुंचीं, जैसे तेज धारदार चाकू किसी केक को काट देता है। जब मिसाइलों में धमाके हुए तो वे इमारतें आतंकवादियों के लिए तंदूर ही बन गई थीं।

कुछ नेतागण अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बयानबाजी का जिक्र कर रहे हैं। वे ट्रंप के बयानों को इतनी गंभीरता से क्यों ले रहे हैं? क्या वे नहीं जानते कि ये अमेरिकी नेता मौके का फायदा उठाते हुए वाहवाही पाने की कोशिश कर रहे हैं? ट्रंप नोबेल पुरस्कार लेने के लिए बार-बार ऐसे बयान दे रहे हैं, जिनसे अमेरिकी राष्ट्रपति पद की प्रतिष्ठा धूमिल हो रही है। अब अमेरिका में ही लोग उनकी बातों को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। ट्रंप सुर्खियां बटोरने के लिए कुछ भी कह सकते हैं। वे आज भारत-पाकिस्तान के बीच परमाणु युद्ध रुकवाने का दावा कर रहे हैं। हो सकता है कि वे अगले महीने यह दावा कर दें कि उन्होंने धरती की ओर बढ़ रहे एलियंस को मार भगाया और दुनिया की रक्षा की, लिहाजा उन्हें इतिहास के सबसे 'महान रक्षक' की उपाधि दे दी जाए! असम के एक वरिष्ठ नेता पूछते हैं- 'सरकार बताए कि ऑपरेशन सिंदूर क्यों रोका गया?' बेशक सवाल पूछना उनका हक है। नेतागण को राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित सवाल पूछते समय उससे जुड़े कुछ पहलुओं का भी ध्यान रखना चाहिए। 'ऑपरेशन सिंदूर' बंद नहीं हुआ है। अभी पाकिस्तान की हरकतों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। भारत सरकार ने बहुत सूझबूझ के साथ यह फैसला लिया है। हमें किसी सूरत में वह गलती नहीं करनी है, जो रूस ने यूक्रेन में की थी। कई अंतरराष्ट्रीय ताकतें चाहती हैं कि भारत फौरन युद्ध में कूदे और उसमें बुरी तरह फंस जाए, ताकि उसकी अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान हो। एक बड़ा युद्ध हमें कई साल पीछे ले जा सकता है। क्या हमारे देशवासियों पर यह बोझ डालना चाहिए, वह भी उस पड़ोसी देश की वजह से जो पहले ही बर्बाद है? जवाब है- नहीं, हमें बहुत सोच-समझकर आगे बढ़ना चाहिए। अगर भविष्य में दोबारा संघर्ष की स्थिति पैदा हो तो अपने नागरिकों का जीवन सुरक्षित करना चाहिए, संघर्ष को कुछ ही क्षेत्रों में सीमित रखते हुए दुश्मन को ऐसा नुकसान पहुंचाना चाहिए कि वह कई वर्षों तक उसकी भरपाई करने में ही व्यस्त रहे। 'ऑपरेशन सिंदूर' इसकी शानदार मिसाल है। हमें इसके अनुभवों से शिक्षा लेते हुए भविष्य के लिए तैयारी करनी चाहिए।

ट्वीटर टॉक

मोदी जी पूरी कोशिश कर रहे हैं कि भारत संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का हिस्सा बने। इसके लिए जवाहरलाल नेहरू का रुख जिम्मेदार है।जब हमारे जवान डोकलाम में चीनी सैनिकों का सामना कर रहे थे, तब राहुल गांधी चीनी राजदूत के साथ बैठक कर रहे थे।

-अमित शाह

मोदी सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर में देश के लिए कुर्बानी देने वाले वीर सपूत सुरेंद्र मोगा जी को शहीद का दर्जा नहीं देकर उनकी शहादत और राजस्थान के 8 करोड़ लोगों का अपमान किया है। देश को गुमराह करने और आंकड़े छिपाने वाला है।

-गोविंदसिंह डोटासरा

लोकसभा की अपनी महत्वपूर्ण स्पीच में गृह मंत्री अमित शाह जी ने ऑपरेशन सिंदूर और ऑपरेशन महादेव को लेकर पूरे विस्तार से जानकारी साझा की है। आतंक के खिलाफ इन अभियानों ने कायर आतंकियों के सफाए में काफी अहम भूमिका निभाई है।

-नरेन्द्र मोदी

प्रेरक प्रसंग

सोच का फर्क

महाराज युधिष्ठिर के अश्वमेध यज्ञ में देश-विदेश से अनेक संत-महात्मा, ऋषि-मुनि, विद्वान, और विभिन्न राज्यों के राजा उपस्थित थे। भगवान श्रीकृष्ण ने युधिष्ठिर को एक अत्यंत मूल्यवान उपहार दिया और कहा, 'राजन, इस सभा में जो आपको सबसे श्रेष्ठ व्यक्ति प्रतीत हो, उन्हें यह उपहार अपने हाथों से भेंट कर दीजिए।' युधिष्ठिर ने सभा में उपस्थित सभी विभूतियों को ध्यानपूर्वक देखा और बोले, 'प्रभु, मुझे यहां उपस्थित सभी महानुभाव धर्मनिष्ठ, गुणवान और नीतिवान प्रतीत होते हैं। कोई भी एक व्यक्ति ऐसा नहीं है जो दूसरों से कम या अधिक हो। अतः मैं इस उपहार को वापस करता हूं, क्योंकि मैं किसी एक को चुन नहीं सकता।' श्रीकृष्ण मुस्कुराए और फिर दुर्योधन को बुलाकर वही उपहार देते हुए कहा, 'दुर्योधन, तुम भी इस सभा में से जिसे सबसे श्रेष्ठ समझो, उसे यह उपहार भेंट कर दो।' कुछ समय बाद दुर्योधन लौटे और बोले, 'प्रभु, मैंने सभी को देखा, पर कोई भी ऐसा नहीं मिला जिसमें कोई अवगुण न हो। किसी में क्रोध है, किसी में लोभ, किसी में अहंकार तो किसी में मोह। मुझे कोई भी योग्य व्यक्ति नहीं मिला जो इस उपहार के योग्य हो।' श्रीकृष्ण मुस्कराकर बोले, 'यही तो दृष्टिकोण का अंतर है।

सामयिक

अप्रत्यक्ष व अप्रामाणिक तौर से यह सत्य सामने आ चुका है कि बाघों के शिकार में कई वनाधिकारी शामिल हैं, इसके बावजूद जंगल महकमा और कुलीन वन्य जीव प्रेमी वनखण्डों और उनके आसपास रहने वाली स्थानीय आबादी को वन्यप्राणी संरक्षण से जोड़ने की कोशिश करने की बजाय भोले-भाले आदिवासियों पर झूठे मुकदमे लादने और उन्हें वनों से बेदखल करने की कोशिशों में लगे हैं। जबकि सच्चाई है कि सदियों से वनों में आदिवासियों का बाहुल्य उनका प्रकृति और प्राणी से सह-अस्तित्व की जीवन शैली ही ईमानदारी से वन और वन्य जीवों के लिए सुरक्षा व संरक्षण का मजबूत तंत्र साबित हो सकता है।

बाघों के सबसे बड़े घर में सुरक्षा बनी चुनौती

प्रमोद भार्गव

मोबाइल : 9981061100

मध्यप्रदेश में चल रहे मानव-बाघ संघर्ष और अवैध शिकार एक बड़ी चुनौती बनकर पेश आए है। क्योंकि यह राज्य देश में टाइगर स्टेट कहा जाता है। बाघों की निरंतर बढ़ती संख्या इनके संरक्षण और सुरक्षा के लिए चुनौती बन रही है। अतएव वन विभाग को सुरक्षा के साथ संवेदनशीलता की भी जरूरत है। क्योंकि अब इनके आवास और प्रजनन के क्षेत्र केवल बाघों के लिए आरक्षित उद्यान नहीं रह गए हैं। ये अपना क्षेत्र विस्तृत कर रहे है। प्रदेश में वर्तमान में बाघों की संख्या 850 से लेकर 900 के बीच है। उम्मीद की जा रही है कि 2026 में होने वाली बाघ-गणना में 950 से अधिक बाघ प्रदेश के वन प्रांतों में हो सकते है, लेकिन चिंता की बात है कि राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) के ताजा आंकड़ों के अनुसार 2025 के छह माह के भीतर 29 बाघों की मौत हो चुकी है। यानी औसतन प्रतिमाह पांच बाघ या तो प्राकृतिक मौत मरे है या फिर पेशेवर शिकारियों ने उनका शिकार किया है।

हाल ही में शिवपुरी से लगे श्योपुर से तीन बाघों की हड्डियों के साथ तीन आरोपियों को स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स ने पकड़ा है। इनमें से एक बाघिन टी-1 शिवपुरी के माधव राष्ट्रीय उद्यान की बताई जा रही है। इस बाघिन की करीब 1 वर्ष से जानकारी नहीं मिल रही है। जबकि इसके गले में आईडी कॉलर डली हुई है। इस मामले में शिवपुरी के उद्यान से लगे ग्राम भीमपुर से पकड़े गए मुख्य आरोपी सोजीराम मोगिया ने स्वीकार किया है कि उसने जहर देकर एक बाघ को मारा है। हालांकि वनसंरक्षक उत्तम शर्मा प्रमाण के अभाव में बाघिन का शिकार करना स्वीकार नहीं कर रहे है, लेकिन बाघिन किस स्थल पर हैं, इसका उनके पास कोई उत्तर नहीं है। सौजीराम का 250 बीघा वनभूमि पर अवैध कब्जा भी है, जो उद्यान की सीमा से लगा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बाघ परियोजना के 50 साल पूरे होने के अवसर पर कर्नाटक के मैसूरु में बाघों की नई गणना रिपोर्ट-2022 जारी की थी। हालांकि यह संख्या और ज्यादा भी हो सकती है, क्योंकि यह गिनती केवल बाघ परियोजना क्षेत्रों में लगे कैमरों में कैद हुए बाघों की, की गई थी। बाघों की यह वृद्धि दुनिया के लिए गर्व का विषय है। यह दुर्लभ प्राणी एक समय लुप्त होने के कगार पर पहुंच गया था, तब 1 अप्रैल 1973 को प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने बाघ परियोजनाओं के जरिए बाघ संरक्षण के मजबूत उपाय किए थे। दुनिया की कुल आबादी के 75 प्रतिशत बाघ अकेले भारत में हैं। देश की सभी बाघ परियोजनाओं में 75000 वर्ग किमी क्षेत्र बाघों के लिए सुरक्षित है। दुनिया का महज 2.4 प्रतिशत भू-भाग हमारे पास है, जबकि जैव-विविधता के संरक्षण में हमारा योगदान आठ प्रतिशत है। भारत की कुल आबादी के करीब 850 बाघ मध्यप्रदेश की धरती पर विचरण कर रहे हैं। इसीलिए अब मध्यप्रदेश बाघ राज्य (टाइगर स्टेट) कहलाता है। बाघ संरक्षण भारत सरकार और राज्यों की साझा जिम्मेदारी है। संवेदना और सह-अस्तित्व के लिए प्रोत्साहित करने वाली हमारी सांस्कृतिक विरासत ने बाघ परियोजना की सफलता में अहम भूमिका निभाई है। इन साझा प्रयासों का ही परिणाम है कि बाघों की संख्या में बढ़ोत्तरी दर्ज की जा रही है।

बीती सदी में जब बाघों की संख्या कम हो गई तब मध्य प्रदेश के कान्हा राष्ट्रीय उद्यान में पैरों के निशान के आधार पर बाघ गणना प्रणाली को शुरूआती मान्यता दी गई थी। ऐसा माना जाता है कि हर बाघ के पंजे का निशान अलग होता है और इन निशानों को एकत्र कर बाघों की संख्या का आकलन किया जा सकता है। कान्हा के पूर्व निदेशक एचएस पवार ने इसे एक वैज्ञानिक तकनीक माना था, लेकिन यह तकनीक उस समय मुश्किल में आ गई, जब साइंस इन एशिया के मौजूदा निदेशक के उल्लास कारंत ने बेंगलूरु की वन्य जीव संरक्षण संस्था के लिए विभिन्न पर्यावरणीय परिस्थितियों में बंधक बनाए गए बाघों के पंजों के निशान लिए और विशेषज्ञों से इनमें अंतर करने के लिए कहा। इसके बाद पंजों के निशान की तकनीक की कमजोरी उजागर हो गई और इसे नकार दिया गया।

इसके बाद कैमरा ट्रैपिंग का एक नया तरीका पेश आया। जिसे कारंत की टीम ने शुरुआत में दक्षिण भारत में लागू किया। इसमें जंगली बाघों की तस्वीरें लेकर उनकी गणना की जाती थी। ऐसा माना गया कि प्रत्येक बाघ के षरीर पर धारियों का प्रारूप उसी तरह अलग-अलग है, जैसे इंसान की अंगुलियों के निशान अलग-अलग होते हैं। यह एक महंगी आकलन प्रणाली थी। पर यह बाघों के पैरों के निशान लेने की तकनीक से कहीं ज्यादा सटीक थी। इसके तहत कैप्चर और री-कैप्चर की तकनीकों वाले परिष्कृत सांख्यिकी उपकरणों और प्रारूप की पहचान करने वाले सॉफ्टवेयर का प्रयोग करके बाघों की विश्वसनीय संख्या का पता लगाने की शुरूआत हुई। इस तकनीक द्वारा गिनती सामने आने पर बाघों की संख्या नाटकीय ढंग से घट गई थी, जो अब बढ़ रही है।

हालांकि बढ़ते क्रम में बाघों की गणना को हमेशा पर्यावरणविदों ने संदिग्ध माना है। क्योंकि आर्थिक उदारवाद के चलते बहुराष्ट्रीय कंपनियों को प्राकृतिक संपदा के दोहन की छूट जिस तरह से दी जा रही है, उसी अनुपात में बाघ के प्राकृतिक आवास भी प्रभावित हो रहे हैं। खनन और राजमार्ग विकास परियोजनाओं ने बाघों की वंश वृद्धि पर अंकुश लगाया है। इन परियोजनाओं को प्रचलन में लाने के लिए चार गुना मानव बसाहटें बाघ आरक्षित क्षेत्रों में बढ़ी हैं। नतीजतन मानव और पशुओं के बीच संघर्श बढ़ा है। केंद्र व राज्य सरकारों की नीतियां भी खनन परियोजनाओं को बढ़ावा दे रही हैं। पन्ना में हीरा खनन परियोजना, कान्हा में बॉक्साइट, राजाजी में राष्ट्रीय राजमार्ग, तड़ोबा में कोयला खनन और उत्तर-प्रदेश के तराई वन क्षेत्रों में इमारती लकड़ी माफिया बाघों के लिए जबरदस्त खतरा बने हुए हैं।

इसके बावजूद खनिज परियोजनाओं के विरुद्ध बुलंदी से आवाज न राजनीतिकों की ओर से उठ रही और न ही वन अमले की तरफ से? हां वन अमले की बर्बरता और गोपनीयता जरूर वैसी ही बनी चली आ रही है, जो फिरंगी हुकूमत के जमाने में थी। अंग्रेजों से विरासत में मिली इस शैली में बदलाव अभी तक वन अमला लाया नहीं है। इस कारण बाघों की मौतें भी बढ़ रही हैं। जबकि राष्ट्रीय उद्यानों, वनकर्मियों और वन आंवटन में निरंतर वृद्धि हो रही है। प्रत्येक आरक्षित उद्यान को 20 से 26 करोड़ रुपए दिए जाते हैं।

आशंकाएं तो यहां तक हैं कि बाघों की संख्या बढ़ा-चढ़ाकर इसलिए बताई जाती है, ताकि इनके संरक्षण के बहाने बरस रही देशी-विदेशी धनराशि नौकरशाही का हिस्सा बनती रहे।वर्तमान में चीन में बाघ के अंग और खालों की सबसे ज्यादा मांग हैं। इसके अंगों से यहां पारंपरिक दवाएं बनाई जाती हैं और उसकी हड्डियों से महंगी शराब बनती है। भारत में बाघों का जो अवैध शिकार होता है, उसे चीन में ही तस्करी के जरिए बेचा जाता है। बाघ के अंगों की कीमत इतनी अधिक मिलती है कि पेशेवर शिकारी और तस्कर बाघ को मारने के लिए हर तरह का जोखिम उठाने को तैयार रहते हैं। बाघों की दुर्घटना में जो मौतें हो रही हैं, उनका कारण इनके आवासीय क्षेत्रों में निरंतर आ रही कमी है। जंगलों की बेतहाशा हो रही कटाई और वन-क्षेत्रों में आबाद हो रही मानव बस्तियों के कारण भी बाघ बेमौत मारे जा रहे हैं।

पर्यटन के लाभ के लिए उद्यानों एवं अभ्यारण्यों में बाघ देखने के लिए जो क्षेत्र विकसित किए गए हैं, उस कारण इन क्षेत्रों में पर्यटकों की अवाजाही बढ़ी है, नतीजतन बाघ एकांत तलाशने के लिए अपने पारंपरिक रहवासी क्षेत्र छोड़ने को मजबूर होकर मानव बस्तियों में पहुंचकर बेमौत मर रहे हैं। बाघ संरक्षण विशेश क्षेत्रों का जो विकास किया गया है, वह भी उसकी मौत का कारण बन रहा है, क्योंकि इस क्षेत्र में बाघ का मिलना तय होता है। बाघों के निकट तक पर्यटकों की पहुंच आसान बनाने के लिए बाघों के शरीर में रेडियो कॉलर आईडी लगाए गए हैं, वे भी इनकी मौत का प्रमुख कारण हैं। सीसीटीवी कैमरे भी इनको बेमौत मार देने की सूचना का आधार बन रहे हैं। दरअसल कैमरे के चित्र और कॉलर आईडी से इनकी उपस्थिति की सटीक जानकारी वनकर्मियों के पास होती है। तस्करों से रिश्वत लेकर वनकर्मी बाघ की उपस्थिति की जानकारी दे देते हैं। नतीजतन शिकारी बाघ को आसानी से निशाना बना लेते हैं।

अप्रत्यक्ष व अप्रामाणिक तौर से यह सत्य सामने आ चुका है कि बाघों के शिकार में कई वनाधिकारी शामिल हैं, इसके बावजूद जंगल महकमा और कुलीन वन्य जीव प्रेमी वनखण्डों और उनके आसपास रहने वाली स्थानीय आबादी को वन्यप्राणी संरक्षण से जोड़ने की कोशिश करने की बजाय भोले-भाले आदिवासियों पर झूठे मुकदमे लादने और उन्हें वनों से बेदखल करने की कोशिशों में लगे हैं। जबकि सच्चाई है कि सदियों से वनों में आदिवासियों का बाहुल्य उनका प्रकृति और प्राणी से सह-अस्तित्व की जीवन शैली ही ईमानदारी से वन और वन्य जीवों के लिए सुरक्षा व संरक्षण का मजबूत तंत्र साबित हो सकता है।

नजरिया

सत्ता और विरोध पक्ष में संबंधों की गहरी दरार

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 9414441218

लोकतंत्र तभी सुदृढ़ होगा जब राष्ट्रीय हितों के मामलों में दोनों की एक राय हो। देश सबसे बड़ा है। मगर ऐसा नहीं हो रहा है जो दुखद है। अब समय का तकाजा है सभी राजनीतिक पार्टियों में जो कुछ गंभीर और समझदार नेता बचे हैं वे लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सभ्यता और मर्यादा बनाए रखने के लिए कोशिशें शुरू करें। उन्हें विधायिका की संस्थाओं के बाहर सरकार और विपक्ष के बीच नियमित बैठकों को आयोजित करना चाहिए।

लोकतंत्र का शाब्दिक अर्थ है लोगों का शासन। यह एक ऐसी शासन व्यवस्था है जिसमें जनता अपना शासक खुद चुनती है। भारत क्षेत्रफल में दुनिया का सातवाँ और जनसंख्या की दृष्टि से दूसरा सबसे बड़ा देश है। आजादी के बाद देश में लोकतान्त्रिक प्रणाली को चुना गया। लोकतांत्रिक संसदीय व्यवस्था में बहुमतवाला दल शासन सँभालता है, अन्य दलों के सदस्य सत्तारूढ़ दल के कार्यकलापों की आलोचना करते हैं। सरकार बनने के बाद जो दल शेष बचते हैं, उनमें सबसे अधिक सदस्यों वाले दल को विरोधी दल कहा जाता है। भारतीय राजनीति में विपक्ष का अर्थ, जो सत्ता में नहीं है,से है। विपक्ष के रूप में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण होती है। स्वस्थ विपक्ष का कार्य सरकार की सकारात्मक तरीके से आलोचना करना होना चाहिए। स्वस्थ विपक्ष के रूप में विपक्ष को जनता के हित से जुड़े मुद्दों पर सरकार की आलोचना व बहस करना चाहिए। आजादी के बाद जो संघर्ष तत्कालीन विपक्षी दलों ने शुरू किया था वह सत्ता की नहीं बल्कि विचारों की प्रत्यक्ष लड़ाई थी। उनके विचारों में राष्ट्र के सर्वांगीण विकास के तत्व मौजूद थे। आज स्थिति बिलकुल उलट है। वर्तमान के विपक्षी दलों में न तो विचारों के साथ चलने को लेकर कोई उत्साह है, न प्रतिबद्धता। सदस्यों के बीच वैचारिक भिन्नता स्वाभाविक है, लेकिन यहां कटुता दिखाई पड़ती है। कटुता से आत्मीयता घटती है। परस्पर अलगाववाद बढ़ता है। लोकतंत्र में दो सबसे बड़ी पार्टियां ऐसी कटु भाषा का प्रयोग एक-दूसरे के लिए नहीं करतीं जैसे हमारे यहां होता है। यही कारण है की मोदी को तीसरी बार सत्ता हासिल करने में कोई भी नहीं रोक पाया।

वर्ष 1967 से पूर्व देश में सत्ता और विपक्ष में आलोचना के बावजूद आपसी सम्बन्ध बहुत मधुर थे। उस दौरान सत्ता पक्ष बहुत मजबूत था और विपक्ष बिखरे हुए। इसके बाद भी विपक्ष बहुत प्रभावी था। लोहिया से लेकर मधु लिमये, ए के गोपालन, हिरेन मुखर्जी, कृपलानी, राजाजी, नम्बूदरीपाद भूपेश गुप्ता, अटल बिहारी वाजपेयी, बलराज मधोक, लालकृष्ण आडवाणी, मीनू मसानी, नाथपई, पीलू मोदी, जॉर्ज फर्नांडीज, एन जी रंगा, ज्योतिर्मय बसु सरीखे विरोध पक्ष के नेताओं से सत्ता पक्ष थर्राता था। लोहिया पंडित नेहरू के सबसे बड़े आलोचक थे मगर दोनों के मित्रवत संबधों पर कभी कोई आंच नहीं आयी। दो पूर्व प्रधानमंत्रियों वाजपेयी और नरसिम्हा राव के संबंध जग जाहिर है। वर्ष 1967 के बाद पक्ष और विपक्ष की कटुता बढ़ी विशेषकर इंदिरा गाँधी के सत्ता सँभालने के बाद। जिसकी परिणीति आपातकाल में बदली। तबसे दोनों पक्षों में आपसी सौहार्द लगभग समाप्त सा हो गया।

वर्ष 2014 में नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद जो कटुता देखने को मिली वह लोकतंत्र के हित में नहीं कही जा सकती। इससे हमारी लोकतान्त्रिक प्रणाली का ह्रास हुआ है। संसदीय कार्यवाही और वाद-विवाद में शालीनता भी घटी है। संवैधानिक पदों पर बैठे राजनेताओं के लिए जिन शब्दों का प्रयोग किया जा रहा है वे लोकतंत्र के लिए घातक है। आज सत्ता और विपक्ष के आपसी सम्बन्ध इतने खराब हो गए है की आपसी बात तो दूर एक दूसरे को फूटी आँख भी नहीं सुहाते। दुआ सलाम और अभिवादन भी नहीं करते। औपचारिक बोलचाल भी नहीं होती। लोकतंत्र में सत्ता के साथ विपक्ष का सशक्त होना भी जरुरी है मगर इसका यह मतलब नहीं है की कटुता और द्वेष इतना बढ़ जाये की गाली गलौज की सीमा भी लाँघी जाये। हमारे देश में राजनीतिक माहौल इतना कटुतापूर्ण हो गया है कि लोकतांत्रिक राजनीति के इतिहास में कहीं नहीं हुआ होगा।

सोशल मिडिया, टेलीविजन , फेसबुक और ट्विटर जैसे संचार साधनों के बढ़ते दायरे ने आग में घी का काम किया है। भारत के लोकतंत्र के लिए इससे बुरा और क्या हो सकता है। लोकतंत्र की सफलता पक्ष और विपक्ष की मजबूती में है। लोकतंत्र तभी सुदृढ़ होगा जब राष्ट्रीय हितों के मामलों में दोनों की एक राय हो। देश सबसे बड़ा है। मगर ऐसा नहीं हो रहा है जो दुखद है। अब समय का तकाजा है सभी राजनीतिक पार्टियों में जो कुछ गंभीर और समझदार नेता बचे हैं वे लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सभ्यता और मर्यादा बनाए रखने के लिए कोशिशें शुरू करें। उन्हें विधायिका की संस्थाओं के बाहर सरकार और विपक्ष के बीच नियमित बैठकों को आयोजित करना चाहिए। सभी लोकतंत्र प्रेमियों को इस पर गहनता से मंथन करने की जरूरत है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

बाघ

मंगलवार को कोलकाता के अलीपुर प्राणी उद्यान में अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस के अवसर पर वन्यजीव संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम में बाघ की वेशभूषा में सजे बच्चे तस्वीर खिंचवाते हुए।

एसेट्ज़ ने ज़ेन एंड सातो को लॉन्च किया

412 यूनिट्स वाले 4 ऊंचे टावर ■ 7 एकड़ में फैली यह परियोजना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु के अग्रणी रियल एस्टेट डेवलपर्स में से एक, एसेट्ज ने येलहंका-बगलूर मेन रोड स्थित लक्जरी आवासीय एन्क्लेव ज़ेन एंड सातो को लॉन्च किया। 80 फीट रोड पर मौजूद और बगलूर क्रॉस मेट्रो स्टेशन, येलहंका रेलवे स्टेशन, केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा और हेब्बाल फ्लाईओवर से 15 मिनट से भी कम दूरी पर स्थित ज़ेन एंड सातो बेजोड़ कनेक्टिविटी उपलब्ध कराता है। इसके अलावा निवासियों को नामी हॉस्पिटल जैसी स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ मॉल जैसी प्रमुख सुविधाओं की निकटता का लाभ मिलेगा। 7 एकड़ में फैली इस परियोजना में 4 टावरों में 412 प्रीमियम आवास हैं, जिनमें 2,159 से 2,955 वर्ग फुट तक के आकार वाले 3 और 4 बीएचके के बड़े आकार के घर हैं। बता दें कि ज़ेन एंड सातो नाम जापानी दर्शन के सिद्धांतों से प्रेरित है। 'ज़ेन' ध्यान और आंतरिक शांति का प्रतीक है। यह इस परियोजना के सुकून भरे वातावरण को दर्शाता है। 'सातो' का अर्थ 'गांव' या 'गृह नगर' होता है। यह अपनेपन की भावना का प्रतीक है।एसेट्ज़ के सीईओ अक्षय दीवानी ने कहा, 'ज़ेन एंड सातो डिज़ाइन-आधारित जीवनशैली का बेहतरीन उदाहरण है।

70 प्रतिशत से ज़्यादा खुली जगह के साथ यह मास्टर प्लान पोडियम ग्रीन्स, ट्री कोर्ट्स और सोशल पवेलियन के ज़रिए सुखद अनुभूति देता है।' एसेट्ज़ के कार्यकारी निदेशक सुनील पारीक ने कहा, 'एसेट्ज़ में हमारी ताकत ह्यूमन लाइफ स्टाइल और व्यवहार को गहराई से समझने और उन अंतर्दृष्टियों को कार्यात्मक, सौंदर्यपरक और भविष्य के लिए तैयार रहने वाली जगहों में परिवर्तित करने में निहित है। इस वित्तीय वर्ष में दस लॉन्च में से एक के तौर पर ज़ेन और सातो हमें वित्तीय वर्ष 2026 के 4,000 करोड़ रुपए से ज्यादा के पूर्व-बिक्री लक्ष्य की ओर ले जाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।'

बाघों के होने का मतलब सही सलामत हैं जंगल : रणदीप हुड्डा

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता रणदीप हुड्डा ने अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस के मौके पर सोशल मीडिया पर एक खास संदेश साझा किया। उन्होंने लोगों को बाघों की सुरक्षा और संरक्षण के बारे में जागरूक किया। उन्होंने कहा कि अगर किसी जगह पर बाघ मौजूद हैं, तो इसका मतलब है कि जंगल सही सलामत हैं।

रणदीप हुड्डा जंगली जानवरों और पर्यावरण की सुरक्षा को लेकर हमेशा आवाज उठाते रहते हैं। वह लंबे समय से लोगों को जागरूक कर रहे हैं कि लुप्त होती प्रजातियों की रक्षा कितनी जरूरी है। उनका कहना है कि बाघ हमारे जंगलों और पर्यावरण के लिए बहुत जरूरी हैं। अगर बाघ नहीं बचेंगे, तो जंगलों का संतुलन बिगड़ जाएगा।

मंगलवार को रणदीप ने सोशल मीडिया पर बाघों की कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं और एक दिल छू लेने वाला संदेश लिखा। उन्होंने बताया कि उन्हें भारत के अलग-अलग इलाकों में बाघों को देखने का सौभाग्य मिला। हुड्डा ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस सिर्फ बाघों के बारे में नहीं है।

अगर किसी जगह पर बाघ मौजूद हैं, तो इसका मतलब है कि वहां पेड़-पौधे और जानवरों की लाखों प्रजातियां भी सही सलामत हैं। भारत बाघों को बचाने के मामले में दुनिया में सबसे आगे है। नतीजा यह है कि बाघों की संख्या भी बढ़ी है। निराशाजनक बात ये है कि जंगल और बाघों का रहने का स्थान धीरे-धीरे खत्म हो रहा है, क्योंकि जमीन का इस्तेमाल दूसरी चीजों के लिए अधिक किया जा रहा है।'' अभिनेता ने सवाल किया कि अगर बाघों की संख्या बढ़ रही है, तो वे रहेंगे कहां?

उन्होंने आगे लिखा, ''बाघों को बचाना मतलब उनके जंगलों को बचाना और जंगलों को बचाना मतलब पूरी धरती को और खुद इंसानों को भी बचाना।

मेधा राणा 'बॉर्डर 2' में आएंगी नजर

मुंबई/एजेन्सी

'फ्राइडे नाइट प्लान', 'इश्क इन द एयर', 'डांसिंग ऑन द ग्रेव', और 'लंदन फाइल्स' में अपने दमदार अभिनय से सबकों चौंकाने वाली अभिनेत्री मेधा राणा 'बॉर्डर 2' में बॉलीवुड स्टार वरुण धवन की प्रेमिका की भूमिका निभाती नजर आएंगी। मेधा के चुनाव को लेकर निर्माता भूषण कुमार ने कहा, ''हमारे लिए किसी ऐसी अभिनेत्री को ढूंढना बेहद जरूरी था जो स्वाभाविक रूप से उस क्षेत्र की भाषा, भाव, और असली माहौल को फिल्म में सही तरीके से दिखा सके। मेधा ने अपनी काबिलियत से सबको प्रभावित किया, खासकर क्षेत्र की बोली, बोलने के तरीके, और अभिनय में भावों की गहराई ने सभी को चौंका दिया। हमें पूरा विश्वास है कि मेधा इस रोल में बिल्कुल परफेक्ट है।'' बता दें कि मेधा सैन्य परिवार से आती है। प्रोड्यूसर निधि दत्त ने कहा कि 'बॉर्डर 2' सिर्फ एक फिल्म नहीं है, बल्कि एक भावना है। इसमें गहरा एहसास और अटूट जज्बा है। मेधा को कास्ट करने के बारे में उन्होंने कहा, ''फिल्म में डायरेक्टर से लेकर सभी कलाकारों का चुनाव इस वजह से किया गया है ताकि एक ऐसी कहानी दिखाई जा सके जो सच्ची और प्रेरणादायक लगे। मेधा राणा और वरुण धवन साथ मिलकर फिल्म में एक नई ताजगी लाएंगे; यह जोड़ी कहानी को खूबसूरत बना देगी।''

फिल्म 'बॉर्डर 2' के निर्देशक अनुराग सिंह हैं और इसका निर्माण गुलशन कुमार और टी-सीरीज के बैनर तले हो रहा है। 'बॉर्डर 2' जेपी दत्ता की 1997 की ब्लॉकबस्टर 'बॉर्डर' का सीक्वल है, जो 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध पर आधारित फिल्म थी।

उसमें सनी देओल, सुनील शेट्टी, जैकी श्रॉफ, अक्षय खन्ना, सुदेश बेरी, पुनीत इस्सर, कुलभूषण खरबंदा, तब्बू, राखी गुलजार, पूजा भट्ट और शरबानी मुखर्जी लीड रोल में थे। वहीं 'बॉर्डर 2' में सनी देओल, दिलजीत दोसांझ, वरुण धवन और अहान शेट्टी भी हैं। यह फिल्म 23 जनवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

आईआरसीटीसी ने कर्नाटक से काशी दर्शन और दक्षिणा यात्रा के लिए भारत गौरव पर्यटक ट्रेनें शुरू कीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। आईआरसीटीसी ने कर्नाटक सरकार के मेसर्स हिंदू धार्मिक संस्थान एवं धर्मार्थ बंदोबस्ती (एचआरआईसीई) के सहयोग से, भारत गौरव पर्यटक ट्रेन योजना के तहत विशेष रूप से कर्नाटक के निवासियों के लिए दो विशेष तीर्थ यात्राओं की घोषणा की है। पहला दौरा, काशी दर्शन, 31 अगस्त से 8 सितंबर तक 9 दिनों की यात्रा है, जिसमें वाराणसी (काशी विश्वनाथ मंदिर, तुलसी मंदिर और संकट मोचन हनुमान मंदिर), अयोध्या (राम मंदिर और हनुमान गढ़ी), गया और बोधगया (विष्णुपद मंदिर और महाबोधि मंदिर), और प्रयागराज (त्रिवेणी संगम और हनुमान मंदिर) जैसे पवित्र स्थलों को शामिल किया गया है।

प्रति व्यक्ति कुल पैकेज की लागत 22,500/- है, जिसमें कर्नाटक सरकार द्वारा कर्नाटक के निवासियों के लिए 7,500/- की विशेष सब्सिडी प्रदान की जाती है, जिससे प्रभावी लागत 15,000/- रह जाती है। इस टूर के बोर्डिंग पॉइंट्स में एसएमवीटी बेंगलूरु/यशवंतपुर, तुमकुरु, बिरूर, दावणगेरे, हावेरी, हुब्बल्ली और बेलगावी शामिल हैं।

दूसरा टूर, दक्षिणा यात्रा, 11 से 16 सितंबर 2025 तक 6 दिनों की यात्रा है, जिसमें दक्षिण भारत के प्रमुख मंदिरों के दर्शन होंगे, जिनमें कन्याकुमारी (भगवती मंदिर और विवेकानंद रॉक मेमोरियल), तिरुवनंतपुरम (पद्मनाभस्वामी मंदिर), रामेश्वरम (रामनाथस्वामी मंदिर) और मदुरै (मीनाक्षी मंदिर) शामिल हैं।

पैकेज की लागत प्रति व्यक्ति 15,000/- है, जिसमें कर्नाटक सरकार राज्य के निवासियों के लिए 5,000/- की विशेष सब्सिडी प्रदान करती है, जिससे कीमत घटकर 10,000/- हो जाती है। इस टूर के बोर्डिंग पॉइंट्स में बेलगावी, हुब्बल्ली, हावेरी, दावणगेरे, बिरूर, तुमकुरु और एसएमवीटी बेंगलूरु शामिल हैं।

दोनों यात्राएँ भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन के एसी 3 टियर क्लास में संचालित की जाएँगी, जिसमें निम्नलिखित सुविधाओं के साथ आरामदायक यात्रा की सुविधा होगी। विभिन्न स्थानों पर ट्विन/ट्रिपल शेयरिंग के आधार पर गैर-वातानुकूलित कमरों में आवास, यात्रा कार्यक्रम के अनुसार गैर-एसी कमरों में धुलाई और कपड़े बदलने की सुविधा, पूर्णतः शाकाहारी भोजन, गैर-एसी बस स्थानांतरण और दर्शनीय स्थलों की यात्रा, प्रत्येक कोच के लिए टूर एस्कॉर्ट, यात्रा बीमा, आईआरसीटीसी टूर मैनेजर, ऑन-बोर्ड सुरक्षा और सभी लागू कर शामिल हैं। आरक्षण और विस्तृत जानकारी के लिए, यात्री आईआरसीटीसी कार्यालयों से संपर्क कर सकते हैं: बेंगलूरु - 9003140710 / 8595931290 / 8595931291 / 8595931292, मैसूर - 8595931294, और हुब्बल्ली - 8595931293। वैकल्पिक रूप से, वेबसाइट देखें: www.irctctourism.com

उत्तर कोरिया को परमाणु हथियार संपन्न देश के रूप में स्वीकार करे अमेरिकाः किम की बहन

सियोल/एपी। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन की बहन किम यो जोंग ने उत्तर कोरिया के परमाणु निरस्त्रीकरण पर कूटनीति बहाल करने के अमेरिका के इरादे को खारिज किया और वाशिंगटन से आग्रह किया कि वह उनके देश को परमाणु हथियार संपन्न देश के रूप में स्वीकार करे तथा वार्ता फिर से शुरू करने के लिए नया दृष्टिकोण अपनाए।

किम यो जोंग के बयान से संकेत मिलता है कि उत्तर कोरिया बातचीत की मेज पर तभी लौटेगा, जब अमेरिका उसे अपनी परमाणु क्षमता के आंशिक समर्पण के लिए पुरस्कृत करेगा। कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कूटनीतिक उपलब्धि हासिल करने के लिए उत्तर कोरिया के साथ बातचीत का प्रयास कर सकते हैं।

ट्रंप ने हाल ही में किम जोंग उन के साथ अपने निजी संबंधों का बखान किया था और उनके साथ परमाणु कूटनीति को फिर से शुरू करने की उम्मीद जताई थी।

ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान 2018-19 में अमेरीका की कूटनीति तब विफल हो गई थी, जब उन्होंने किम का आह्वान ठुकरा दिया था। किम ने अपने मुख्य परमाणु परिसर को नष्ट करने के बदले में प्रतिबंधों में व्यापक राहत देने की मांग की थी, जो एक सीमित परमाणु निरस्त्रीकरण कदम था। तब से किम ने अपने परमाणु शस्त्रागार को आधुनिक और विस्तारित करने के लिए कई हथियार परीक्षण किए हैं।

किम की बहन ने कहा कि उनके भाई और ट्रंप के बीच संबंध खराब नहीं हैं।

हालांकि, उन्होंने कहा कि अगर उनके भाई और ट्रंप के बीच के व्यक्तिगत संबंधों से उत्तर कोरिया के परमाणु निरस्त्रीकरण का उद्देश्य पूरा होने की उम्मीद की जा रही है, तो उत्तर कोरिया की नजरों में यह ''सिर्फ एक मजाक'' भर है।

सरकारी मीडिया की ओर से जारी बयान में किम यो जोंग ने कहा कि किम-ट्रंप कूटनीति के पहले दौर के बाद से उत्तर कोरिया की परमाणु क्षमता में तेजी से वृद्धि हुई है और उत्तर कोरिया को परमाणु हथियार संपन्न राष्ट्र मानने से इनकार करने के किसी भी प्रयास को खारिज कर दिया जाएगा। उत्तर कोरिया संभवतः आंशिक परमाणु निरस्त्रीकरण पर बातचीत चाहता है। किम यो जोंग ने कहा कि वह एक अमेरिकी अधिकारी की कथित टिप्पणी का जवाब दे रही हैं, जिसमें कहा गया है कि ट्रंप परमाणु निरस्त्रीकरण पर बातचीत के लिए तैयार हैं।

नोरा फतेही और रेवैन्नी फिर एक साथ आएगे नज़र

मुंबई/एजेन्सी

'स्नेक' से दुनिया भर में धूम मचाने के बाद, नोरा फतेही और रेवैन्नी की क्रॉस-कल्चरल जोड़ी धमाकेदार ट्रैक 'तेतेमा' के साथ फिर से वापस आ रहे है। जेसन डेरुलो के साथ 'स्नेक' की ज़बरदस्त ग्लोबल सफलता के बाद, जिसे अब तक 130 मिलियन से ज़्यादा बार देखा जा चुका है। सूत्रों के अनुसार, नोरा फतेही अब एक और बड़ा इंटरनेशनल धमाका करने जा रही हैं। वह टैलेंटेड अफ्रीकी कलाकार रेवैन्नी के साथ 'तेतेमा' में फिर से नजर आएंगी जो कि एक हाई-ऑक्टेन ग्लोबल फ्यूजन ट्रैक है। यह गाना अफ्रो-बोंगो एनर्जी को बहुभाषीय और क्रॉस-कल्चरल ट्विस्ट के साथ पेश करता है। सूत्रों के अनुसार इस नए रीक्रिएशन का नाम ओ मामा तेतेमा से आ सकता है, जो रेवैन्नी और डायमंड प्लैटनम्ज़ के ओरिजिनल हिट 'तेतेमा' पर आधारित होगा। इस बार नोरा न सिर्फ़ गाने की विज़ुअल हाइलाइट होंगी, बल्कि एक गायिका के रूप में भी नजर आएंगी जहाँ वह अंग्रेज़ी, स्वाहिली और हिंदी के अनोखे मेल से अपने सिग्नेचर 'स्वैग और स्पाइस' को पेश करेंगी। अपनी ग्लोबल छवि के अनुरूप, नोरा अपने फैशन स्टाइल के ज़रिए आधुनिक अफ्रो-पॉप एस्थेटिक्स को भी प्रदर्शित करेंगी, जो अंतरराष्ट्रीय मंच पर ट्रेंड सेट करने का काम करेगा। 2019 की उनकी वायरल इंटरनेशनल हिट ट्रैक पेपेटा के बाद, यह नोरा और रेवैन्नी के साथ एक और बड़ी जोड़ी की वापसी है।

ऑलमाइटी मोशन पिक्चर का टाटा को श्रद्धांजलि

मुंबई/एजेन्सी

भारत रत्न से सम्मानित और भारत के एक दूरदर्शी उद्योगपति जहाँगीर रतनजी दादाभॉय टाटा की 121वीं जयंती पर, ऑलमाइटी मोशन पिक्चर और अमेज़न एमएक्स प्लेयर ने अपने आगामी सीरीज़ मेड इन इंडिया - एक टाइटन स्टोरी की पहली झलक दर्शकों के सामने पेश की। इस सीरीज़ में दिग्गज अभिनेता नसीरुद्दीन शाह जे.आर.डी. टाटा की भूमिका निभा रहे हैं। यह झलक दर्शाती है कि किस प्रकार एक व्यक्ति की सोच, मेहनत और नेतृत्व ने आधुनिक भारत के निर्माण में अहम भूमिका निभाई।

इस प्रेरणादायक गाथा का निर्माण प्रभलीन संधू (संस्थापक, ऑलमाइटी मोशन पिक्चर) ने किया है, निर्देशन रॉबी ग्रेवाल द्वारा किया गया है, और इसकी कथा करण व्यास ने लिखी है। इस सीरीज़ में जिम सर्भ नज़र आएँगे ज़ेरक्सेस देसाई की भूमिका में जो टाइटन घड़ी कंपनी के संस्थापक थे। उनके साथ प्रमुख भूमिकाओं में नमिता दुबे, वैभव तत्त्ववादी, कावेरी सेठ, लक्ष्वीर सरन और परेश गणात्रा भी नज़र आएंगे। मेड इन इंडिया एक टाइटन कथा का प्रसारण अगले वर्ष की शुरुआत में अमेज़न एमएक्स प्लेयर पर किया जाएगा और सबसे अच्छी बात ये कि यह बिल्कुल निःशुल्क (फ्री) होगा! दर्शक इसे प्राइम वीडियो, फायर टीवी और एयरटेल एक्सस्ट्रीम पर देख सकेंगे। ऑलमाइटी मोशन पिक्चर द्वारा निर्मित, यह सीरीज़ नेतृत्व, नवाचार और जे.आर.डी. टाटा की कालजयी सोच को एक सजीव श्रद्धांजलि देती है एक ऐसी कथा जो हर पीढ़ी को प्रेरणा देगी। अब केवल मनोरंजन नहीं, प्रेरणा भी देखिए वह भी पूरी तरह भारतीय अंदाज़ में!

फातिमा सना शेख ने आर माधवन को बताया पसंदीदा को-स्टार

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री फातिमा सना शेख ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर बताया कि उनकी हालिया रिलीज फिल्म 'आप जैसा कोई' के एक्टर आर माधवन उनके पसंदीदा को-स्टार हैं। माधवन की तारीफ करते हुए फातिमा ने उन्हें 'सबसे अच्छा इंसान' भी बताया। फातिमा ने इंस्टाग्राम पर फिल्म के सेट से माधवन के साथ कुछ मजेदार और यादगार पलों की तस्वीरें साझा कीं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, मैडी और फैटी मेरे सबसे पसंदीदा को-स्टार! फातिमा ने पोस्ट में माधवन को शूटिंग आसान और मजेदार बनाने के लिए धन्यवाद दिया। फातिमा ने लिखा, आपके विनम्र और उदार स्वभाव ने पूरी शूटिंग को आसान और मजेदार बना दिया। फातिमा, माधवन की मां के 'सांबर मसाला रेसिपी' और हर सुबह दी जाने वाली 'परफेक्ट फिल्टर कॉफी' के लिए भी आभार जताती नजर आईं। साथ ही उन्होंने सेट पर अक्सर गुलाब जामुन लाने के लिए भी माधवन को धन्यवाद कहा।

'आप जैसा कोई' रोमांटिक कॉमेडी ड्रामा है, जिसका निर्देशन विवेक सोनी ने किया है और इसे करण जौहर की धर्माटिक एंटरटेनमेंट ने बनाया है। 11 जुलाई को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई फिल्म में आर. माधवन संस्कृत प्रोफेसर श्रीरेणु त्रिपाठी की भूमिका में हैं, जबकि फातिमा सना शेख एक बिंदास फ्रेंच टीचर मधु बोस के किरदार में हैं। यह फिल्म श्रीरेणु और मधु की प्रेम कहानी को दिखाती है, जो सामाजिक रूढ़ियों के बीच पनपती है।

वर्कफ्रंट की बात करें तो 'आप जैसा कोई' के अलावा फातिमा, अनुराग बसु की फिल्म 'मेट्रो... इन दिनों' में नजर आईं। 4 जुलाई को रिलीज हुई 'मेट्रो... इन दिनों' आधुनिक रिश्तों की मुश्किलों को पर्दे पर उतारती है। इस फिल्म में फातिमा सना शेख के साथ आदित्य रॉय कपूर, सारा अली खान, अली फजल, पंकज त्रिपाठी, कोंकणा सेन शर्मा, अनुपम खेर और नीना गुप्ता जैसे सितारे अहम भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म साल 2007 में आई अनुराग बसु की 'लाइफ इन ए मेट्रो' की सीक्वल है।

काउचर वीक

बॉलीवुड अभिनेता और शो स्टॉपर अर्जुन रामपाल सोमवार देर रात नई दिल्ली के ताज पैलेस में एफडीसीआई इंडिया कॉउचर वीक के दौरान डिज़ाइनर रोहित बल की एक कृति प्रस्तुत करने के लिए रैंप पर उतरे।

मुझे कभी अहसास नहीं हुआ कि मैं आउट साइडर हूं : श्वेता त्रिपाठी

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री और निर्माता श्वेता त्रिपाठी ने अपनी नई प्रोडक्शन कंपनी 'बंदरफुल' शुरू करने के पीछे की प्रेरणा और फिल्म इंडस्ट्री में अपने अनुभवों को साझा किया। श्वेता ने बताया कि उन्होंने हमेशा इंडस्ट्री में अपनापन महसूस किया और अब वह दूसरों को मौका देना चाहती हैं। श्वेता ने बताया कि उन्हें यह कभी नहीं लगा कि वह इंडस्ट्री के बाहर से हैं; उन्हें यहां हमेशा अपनापन महसूस हुआ।

श्वेता ने अपनी प्रोडक्शन कंपनी शुरू करने के बारे में कहा, क्यों इंतजार करें कि कोई और कहानी को सामने लाए? बहुत सारी कहानियां और प्रतिभाशाली लोग हैं। मैं ऐसे लोगों को जानती हूं और अगर मेरे पास संसाधन हैं, तो मैं उन्हें मौका देना चाहती हूं। उन्होंने कहा कि वह अपने सफर में कई लोगों से मिलती हैं और कुछ कहानियां उन्हें बहुत प्रभावित करती हैं। श्वेता ने बताया, मैं चाहती हूं कि दुनिया भी इन्हें महसूस करे। इसलिए मैंने अपनी प्रोडक्शन कंपनी शुरू की। दूसरों पर उंगली उठाने से पहले हमें खुद से पूछना चाहिए कि हम उनके लिए क्या कर रहे हैं। 'बंदरफुल' प्रोडक्शन हाउस का उद्देश्य ऐसी कहानियों को बढ़ावा देना है जो रूढ़ियों, व्यावसायिक दबावों या सामाजिक बंधनों से मुक्त हों। श्वेता ने कहा, मुझे खुशी है कि लोगों ने मुझ पर भरोसा किया। फिल्ममेकर्स ने मेरी प्रतिभा और पैशन को देखा। अब मैं दूसरों में वह जुनून देखना चाहती हूं और उन्हें मंच देना चाहती हूं। उन्होंने कहा कि वह उन लोगों के साथ काम करना चाहती हैं जो सिनेमा और ऐसी कहानियों के प्रति जुनूनी हों जो समाज पर प्रभाव डाल सकें।

इंडस्ट्री के अपने अनुभव को साझा करते हुए श्वेता ने कहा, मुझे शुरू से ही गुनीत मोंगा, अनुराग कश्यप और करण जौहर जैसे लोगों का साथ मिला।

मैंने कभी खुद को बाहरी नहीं माना। मेरे लिए यह सब भावनाओं और जुड़ाव के बारे में है, न कि जेंडर, जाति या वर्ग के बारे में। प्रोड्यूसर बनने के अनुभव को श्वेता ने एक नया सफर बताया। उन्होंने बताया, प्रोड्यूसर बनना एक सीखने की प्रक्रिया है। हर कदम मुझे कुछ नया सिखा रहा है और मैं इस सफर के लिए तैयार हूं।

8
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

इंसान का जीवन एक तिजोरी के समान है। इसमें सद्गुण रूपी आभूषण रखना चाहिए। दुर्गुणों का कचरा भरने की मूर्खता हर्गिज भी नहीं करनी चाहिए। कुटिलता और कृपणता ऐसे दुर्गुण हैं जो जीवन में सरलता और उदारता के गुण को प्रकट नहीं होने देता। जहाँ मायाचार का सेवन नहीं है वहाँ मधुरता और सरसता का वास है। सरल व्यक्ति ही लोकप्रिय और भगवान की कृपा का पात्र बनता है। कंजूस व्यक्ति उसे माना जाता है जिसके पास प्रचुर मात्रा में शक्ति और साधन है फिर भी उपयोग और उपभोग के मौके दाएं बाएं झांकता है व्यय नहीं करने के नए नए बहाने खोजता है और अपनी महानता को झूठे आदर्शों और सिद्धांतों के सहारे प्रकट करता है केवल संग्रह करने की नित नूतन योजना बनाता है।

जलयात्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ऊटी में मंगलवार को आषाढ मास के अवसर पर हिन्दू मातृ मोर्चा द्वारा देवी के लिए हिन्दी जलाभिषेक समारोह का आयोजन किया गया। सुबह अरुलमिगु मरिअम्मन मंदिर से हल्दी जल के घड़े लेकर आई महिलाओं की एक शोभायात्रा देवनगर विवाह भवन में देवी को हल्दी जल अर्पित करने के लिए निकाली गई।

तेरापंथ महिला मंडल की अध्यक्ष बनी हेमलता नाहर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां आचार्य महाश्रमणजी की शिष्या साध्वीश्री उदितयशाजी के पावन सान्निध्य में नवनिर्वाचित अध्यक्ष हेमलता नाहर एवं उनकी संपूर्ण टीम का वर्ष 2025-2027 के लिए शपथ ग्रहण की। निवर्तमान अध्यक्ष लता पारख ने दो वर्षीय कार्यकाल में सभी से मिले सहयोग के लिए धन्यवाद दिया और नवनिर्वाचित अध्यक्ष हेमलता नाहर को शपथ दिलवाई।

हेमलता नाहर ने अपनी भावी योजनाएं की घोषणा की और सभी सदस्यों से आह्वान किया आपके सहयोग से ही आज में इस मंच पर पहुंची हूँ और आपके सहयोग से ही में अध्यक्षीय कार्यकाल में संस्था के स्वर्णिम विकास में योगदान दें पाऊंगी इसलिए मुझे पूर्ण विश्वास है आप सभी का सहयोग मुझे निरन्तर मिलता रहेगा। फिर उन्होंने अपनी टीम की घोषणा की और शपथ ग्रहण करवाया। टीम में संरक्षिका उषा बोहरा, कमला गेलड़ा, कनक पुगलिया, उपाध्यक्ष प्रथम रीमा सिंघवी, द्वितीय अलका खटेड, मंत्री वंदना पगारिया, कोषाद्यक्ष पूनम छाजेड़, सहमंत्री नम्रता सेठिया, पूजा भंडारी आदि लिए गए हैं।

अन्नदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

राजस्थानी एसोसिएशन तमिलनाडु की अनुकम्पा समिति द्वारा सतत अन्नदान सेवा अभियान के अंतर्गत गत दिनों चेन्नई के विभिन्न क्षेत्रों में जरूरतमंदों के लिए करुणा और समर्पण के साथ अन्नदान किया। सुभाषचन्द रांका परिवार के सहयोग से 600 लोगों को अन्नदान एग्मोर मेटरनिटी हॉस्पिटल के पास स्थित परिसर में किया। वहीं चूलै स्थित सेवाचक्राश्रम में भी 100 अनाथ बच्चों को नाश्ता कराया गया। चेतपेट स्थित सर्वोदय अनाथाश्रम में बालिकाओं को दोपहर का भोजन रांका परिवार के सौजन्य से हुआ।

धर्म पर मज़बूत श्रद्धा वाला साधक मोक्ष मार्ग पर अग्रसर होता है : डा. वरुणमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गांधीनगर गुजराती जैन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित श्रमण संघीय उपप्रवर्तक पंकजमुनिजी की निश्रा में डॉ वरुणमुनिजी ने कहा कि श्रद्धा परम दुर्लभ है। धर्म पर जिस साधक की श्रद्धा मजबूत हो जाती है वह अपने जीवन का कल्याण करते हुए मोक्ष मार्ग की ओर अपने कदम आगे बढ़ा लेता है। मुनिश्री ने अपने प्रवचन में तेतली पुत्र के कथानक पर प्रकाश डालते हुए कहा कि धर्म की सम्यक आराधना ही जीव को शाश्वत सुख प्रदान करने वाली है। संसार के सब सुख क्षणिक और काल्पनिक स्वप्नवत हैं। आंख खुलते ही सब खत्म हो जाता है। सद्गुरु हमें जगाने आते हैं और मोक्ष का मार्ग बतलाने आते हैं। जो जागत है सो पावत है और जो सोवत है वो खोवत हैअर्थात जो संसार की मोह निद्रा से जाग जाता है वह अपने जीवन का उत्थान कर लेता है और जो संसार के क्षणिक, नाशवान भौतिक सुख विलास की चीजों में आसक्त बन कर मोह निद्रा में सोया रहता है उसका अमूल्य मानव जीवन बेकार चला जाता है।ङ्गङ्गउन्होंने कहा कि दुख, विपत्ति के समय इन्सान को या तो भगवान याद आते हैं या फिर अपनी मां और गुरु याद आते हैं। जो दुःख में घबराता नहीं है और सुख में इतराता नहीं है वही आत्मज्ञानी बन कर अपनी आत्मा का कल्याण कर सकता है।

संसार में एक मात्र संयम की आराधना ही जीव को सच्चा आत्मिक शांति, सुख प्रदान करने वाली है। अतः सच्चा सुख पाने के लिए चारित्र धर्म की ओर साधक सम्यक आराधना, पुरुषार्थ करें।यही आनन्द और सुख का राजमार्ग है। प्रारंभ में संतश्री रूपेश मुनि जी ने भजन के माध्यम से अपने विचार व्यक्त किए। उपप्रवर्तक पंकज मुनि जी ने मंगल पाठ प्रदान किया। कार्यक्रम का संचालन राजेश मेहता ने किया।

पाप बंद किए बिना मोक्ष नहीं : डॉ. समकित मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां पुरुषवाक्कम स्थित एएमकेएम जैन मेमोरियल ट्रस्ट में विराजित डॉ. समकित मुनिजी म.सा. ने मंगलवार को प्रवचन के दौरान कहा कि जिनवाणी का लाभ सदा कल्याणकारी होता है। यह कभी किसी को नुकसान नहीं पहुंचाती, बल्कि छोटी से छोटी बुरी आदत भी जिनवाणी के प्रभाव से मिट जाती है। यह बुरी से बुरी आदतों को छुड़ाने में सहायक है।

मुनिश्री ने आगे कहा कि शास्त्रों में वर्णित 'परदेसी' की कथा के माध्यम से बताया गया कि श्रमण संघ, जो चौदह पूर्वों के ज्ञाता हैं, उनका पाप का गेट पूरी तरह से बंद था। जैसे हम कार में बैठने पर दरवाज़ा बंद करते हैं, वरना कार नहीं चलेगी, वैसे ही जब तक पाप का गेट बंद नहीं करेंगे, मोक्ष का दरवाज़ा नहीं खुलेगा। जैसे हम तिजोरी, लिफ्ट, लॉकर आदि सब कुछ बंद करते हैं ताकि वह सुरक्षित रहे, वैसे ही जीवन में पाप के गेट को बंद रखना आवश्यक है। उन्होंने कहा, अपने घर में देखें कि पाप का क्षेत्र ज्यादा है या धर्म का? बिजली, गैस जैसी सुविधाओं का कनेक्शन हम ज़रूर करते हैं, पर क्या धर्म का कनेक्शन भी उतनी गंभीरता से जोड़ते हैं? उन्होंने समझाया कि हमारे हाथ में स्मार्टफोन और स्मार्टवॉच होने से हम स्मार्ट नहीं बन जाते, बल्कि हमारी पहचान हमारे कार्यों और धर्म के प्रति जुड़ाव से होती है। इस अवसर पर अध्यक्ष चंद्रप्रकाश तालेड़ा, कार्याध्यक्ष मीठालाल पगारिया, देवराज कोठारी, गौतम गुगालिया उपस्थित रहे। मंच संचालन विनयचंद पावेचा ने किया।

तीर्थंकर जन्म से शांति की अनुभूति : आचार्य हीरचंद्रसूरिश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां किलपॉक श्वेताम्बर मूर्तिपूजक जैन संघ के तत्वावधान में एवं आचार्यश्री हीरचंद्रसूरिश्वरजी म.सा. के सान्निध्य में मंगलवार को बाइसवें तीर्थंकर नेमीनाथ भगवान का जन्म कल्याणक महोत्सव श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के वातावरण में मनाया गया। एससी शाह भवन परिसर में श्रद्धालुओं ने जन्मकल्याणक के अवसर पर मेरु पर्वत पर जयणापूर्वक मंत्रोच्चार के साथ शांतिधारा और शक्रस्तव अभिषेक के दौरान उत्तम द्रव्यों का उपयोग किया गया। कार्यक्रम में मंचीय प्रस्तुतियां भी आकर्षण का केंद्र रहीं। प्रवचन में आचार्यश्री ने कहा उत्तम द्रव्य, उत्तम भाव को प्रकट करते हैं। तीर्थंकर के जन्म पर सिर्फ धरती ही नहीं, बल्कि नारकी और देवलोक तक में भी परिवर्तन आता है। एक क्षण के लिए नारकियों में भी प्रकाश और शांति की अनुभूति होती है, वहीं इंद्र का सिंहासन भी डोल उठता है। उन्होंने नेमीनाथ भगवान के जीवन प्रसंगों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे वर्तमान कालचक्र के बाइसवें तीर्थंकर हैं, जिनका जन्म गुजरात के सौरिपुर में

यादव वंश के राजा समुद्रविजय और रानी शिवादेवी के यहां हुआ था। उनका बाल्यकालीन नाम अरिष्टनेमी था। भगवान कृष्ण उनके चचेरे भाई थे। मोक्ष से पहले उन्होंने नौ जन्म लिए, जिनमें पाँच मानव जीवन और चार देव जीवन थे। इस मौके पर आचार्य भुवन भानुसूरिश्वरजी की मूर्ति का लोकार्पण हुआ। लोकार्पण का लाभ सुरेशकुमार बाबुलाल (कैलाशनगर) परिवार जबकि गुरु पूजन का लाभ शांतिलाल जैन परिवार ने लिया। संगीत प्रस्तुति सिद्धार्थ कोचर ने दी और संचालन विपिन जैन ने किया।

धर्म सेवा कर अपनी अनमोल काया का करें उपयोग : संतश्री ज्ञानमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ सकल जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने कहा कि संसार में सुख हैं तो दुख भी हैं। उजाला है तो अंधेरा भी है। लेकिन सुख में मनुष्य मग्न हो जाता है और दुख में विचलित होता है। ऐसा हमारा आगम कहता है कि देवता भी सुख से सुखी नहीं हैं। देवता को कुछ नहीं चाहिए लेकिन वह भी सुखी नहीं हैं। कोई नगर सेठ है तो भी अपनी लालसा की वजह से वह सुखी नहीं है। लोगों को लगता है थोड़ा और,थोड़ा और, इस कारण वह सुखी नहीं हो पाता है। सब कुछ होने के बाद भी लालसा नहीं खत्म हो रही है, इसलिए मनुष्य सुखी नहीं रह पा रहा है। लालच, लालसा ही मनुष्य के दुखी होने का मुख्य कारण है। जब तक मनुष्य इससे दूर नहीं होगा तब तक उसका जीवन सुखमय नहीं हो पाएगा। मन से, काया से जितना हो सके सेवा करें। धन नहीं होने के बावजूद भी मनुष्य दूसरों की सेवा कर सकता है। जीवन में सेवा भाव नहीं है तो मनुष्य भव बेकार हो जाएगा। आप अच्छा करते जाओ फिर अपने आप अच्छा होता जाएगा। धन से न हो सके तो काया से करो, लेकिन सेवा जरूर करो। जरूरी नहीं कि धन होने के बाद ही किसी की सेवा की जा सकती है। बिना धन के भी मनुष्य सेवा कार्य करके अपने कर्मों की निर्जरा कर सकता है।

संतश्री ने कहा कि कुछ न कर सको तो मूक प्राणियों की ही सेवा करो। वर्तमान में बातें करने वाले लोग तो बहुत हैं लेकिन काम करने वाले बहुत कम हैं। उन्होंने कहा कि हमें इतनी अनमोल काया मिली है तो अच्छे कार्य कर लेने चाहिए। दुनिया बहुत दुखकारी है, इसमें कर्मों का बंध हो रहा है। मनुष्य यहां सिर्फ भटक रहा है। ऐसे मनुष्य भव पार नहीं होगा। वर्तमान में लोग अपने बड़ों का आदर नहीं करते हैं लेकिन अपने बड़े बुजुर्गों का आदर करना चाहिए। ऐसा करने से हर बंद रास्ते खुलने लगते हैं। जैसा आज देंगे वैसा ही आने वाले समय में आपको मिलेगा। धर्म सेवा करके इस काया का सही उपयोग कर लेना चाहिए। सभा में मीठालाल कांकरिया, दिलीपकुमार मुगदिया, मदनलाल लोढ़ा औरंगाबाद, सतीश लोढ़ा अहमदनगर, रतनलाल सिसोदिया, ओमप्रकाश लुणावत, ज्ञानचंद बम्ब, बालूराम दलाल की विशेष उपस्थिति रही। सभा में अध्यक्ष प्रकाशचंद कोठारी ने सभी स्वागत किया। संचालन महामंत्री मनोहर लाल लुकड़ ने किया।

'सम्यक दर्शन जिनशासन का सारभूत है'

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के जयनगर संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित उपप्रवर्तिनी कंचनकंवरजी के सान्निध्य में साध्वी मलयाश्रीजी ने कहा कि सम्यक दर्शन के अभाव में धर्म क्रियाएं कर्मनिर्जरा का कारण नहीं बन पाती, सिर्फ पुण्य का बंध हो सकता है। सम्यक दर्शन जिनशासन का सारभूत है। सम्यक दर्शन धर्म की प्रथम सीढ़ी है। सम्यक दर्शन मोक्षगमन का पंजीकरण है। साध्वी दिव्ययशाजी ने कहा कि संसार छोड़ने योग्य है उसे पकड़ो मत जाने दो।

संप्रदाय बनेंगे मिटेंगे बदलेगी परंतु सिद्धांत अमर रहेंगे : कमलमुनि कमलेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के साहुकारपेट स्थित जैन भवन में राष्ट्रसंत कमलमुनिजी कमलेश ने धर्मसभा को संबोधित करते हुए मंगलवार को कहा कि शाश्वत मूल्यों को अनदेखा करना, झुठलाना, उसके अस्तित्व को ही नकार देना, सिद्धांतों के खिलाफ खिलाफ खिलवाड़ करने वाला नास्तिक से भी ज्यादा खतरनाक होता है।

शाश्वत सिद्धांतों को पंथ परंपराओं में कैद नहीं किया जा सकता। त्रिकाल सत्य है उनका स्वरूप भी नहीं बदलता है। उन्होंने कहा कि शाश्वत सिद्धांत ही धर्म का असली प्राण है। साधना का आधार है आत्मा का सच्चा श्रृंगार। संप्रदाय बनेंगे मिटेंगे बदलेंगे परंतु सिद्धांत अमर रहेंगे। परंपराओं से ऊपर उठ कर निष्पक्ष चिंतन करेंगे तब सिद्धांतों का सच्चा ज्ञान कर पाएंगे।

मुनि कमलेश ने बताया कि सभी महापुरुष अलग-अलग समय, अलग-अलग नाम से, अलग-अलग परंपराओं से, धरती पर आए उपासना पद्धति अलग-अलग रही, परंतु सबके समकालीन सिद्धांत एक समान होते हैं। उन्होंने उन्हीं का प्रतिपादन किया अलग से कुछ नहीं वह सिद्धांतों के संदेशवाहक थे। उन्होंने कहा कि सिद्धांतों में समझौता नहीं होता, अवसरवादिता नहीं होती, उनको मिटाया और बनाया नहीं जा सकता, अपनी ओर से महापुरुष कोई नई सिद्धांतों का निर्माण नहीं करते हैं। बल्कि पुराने सिद्धांतों का प्रतिपादन करते हैं।

जैन संत ने कहा कि जब तक मानव को सिद्धांतों और परंपराओं का भेद ज्ञान नहीं होगा, तब तक वह सिद्धांत के सही स्वरूप को नहीं समझ पाएगा। शाश्वत सिद्धांत प्रेम, करुणा, दया, अहिंसा, सत्य, करुणा, वात्सल्य, मैत्री आदि सिद्धांतों को आत्म के साथ जोड़ना व्यवहार में उनका पालन होना सच्चे अर्थों में धर्म का आचरण करने के समान है। सच्चा सुख समृद्धि शांति यह लोग और परलोक दोनों को सुधारने की क्षमता मात्र शाश्वत सिद्धांत में है यही विश्व को विनाश से बचा सकते हैं आत्मा का उत्थान कर सकते हैं। सज्जन राज सुराणा ने मंच का संचालन किया।

अच्छी और दूरदर्शी सोच से ही समाज का निर्माण होता है : साध्वी डॉ प्रतिभाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। यहां के कोयम्बटूर स्थानकवासी जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित गुरुवर्या डॉ प्रतिभाश्रीजी म. सा. ने मंगलवार को अपने प्रवचन में कहा कि जैसे खायेंगे अन्न वैसा ही हमारा मन होगा सोच होगी। भाव शुद्ध, विचार शुद्ध होना चाहिए। हम किसी का भला करेंगे तो हमारे जीवन में भला होगा। हर जीवों के प्रति परस्परो पग्रही जीवानाम् होना चाहिए। एक दूसरों की मदद करना चाहिए। इस दुनिया में इतने महापुरुष हुए उन्होंने अपनी सोच अच्छी रखी। तभी तो उनका स्वर्ण अक्षरों में नाम लिखा गया है। हमें भी नकारात्मकता से दूर रहना चाहिए। मदालसा माताएँ ने सातों बच्चों का कल्याण किया। हम सबको दूसरों की सहायता करनी चाहिए। परोपकार की भावना होनी चाहिए। हम लोग खुद का समाधान पहले ढूंढते हैं और बाद में दूसरों का समाधान निकालते है। अच्छी सोच बनाने वाली माताएं ही होती है जो अच्छी भी सोच रखी हैं और बुरी सोच भी। जिजाबाई ने अच्छी सोच और अपने विचारों और सकारात्मकता के सात शिवाजी महाराज जीवन का निर्माण किया था। हमारे विचार अच्छे होंगे तो सामने वाले के विचार ही अच्छे होंगे। सभा का संचालन सुनील हिंगड़ ने किया।

अहंकार गति अवरोधक है प्रगति के राजमार्ग में : कपिल मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहाँ गोपालपुरम स्थित छाजेड़ भवन में चातुर्मासार्थ विराजित ओजस्वी वक्ता श्री कपिल मुनिजी म. सा. ने मंगलवार को प्रवचन के दौरान कहा कि जहाँ अंधकार व्याप्त है वहाँ डर है। अज्ञान मिथ्यात्व और अहंकार बढ़कर कोई अंधकार नहीं है अहंकारी व्यक्ति के जीवन मे सौभाग्य का सूर्योदय कभी नहीं होता। महाभारत में कौरवों की पराजय का कारण अहंकार ही था। विवेक के अभाव में व्यक्ति सर्वनाश की ओर अग्रसर हो जाता है। वह अपने सोच विचार और व्यवहार को ही उचित मानता है अनुभवियों की सलाह पर गौर नहीं करता है। अहंकार गति अवरोधक है प्रगति के राजमार्ग में। जब तक व्यक्ति अहंकार से मुक्त नहीं होगा तब तक उसके मन में शांति का अनुभव होने की कोई संभावना नहीं है। मुनि श्री ने अशुभ लेश्या के अन्तर्गत नील लेश्या के लक्षणो का विवेचन करते हुए कहा कि अपने आप को सर्वश्रेष्ठ और दूसरों को निकृष्ट मानने की सोच एक ऐसा नकारात्मक भाव है जो व्यक्ति के आभामण्डल को विकृत और दूषित कर डालता है। जिसके चलते मानसिक, शारीरिक, और भावनात्मक स्तर पर स्वस्थ रहना मुश्किल हो जाता है। प्रार्थना, ध्यान और सामायिक साधना के द्वारा व्यक्ति अपने आभामंडल और ऊर्जाचक्र को पवित्र और मजबूत बनाकर नकारात्मक शक्तियों पर विजय प्राप्त की जा सकती है। मुनिश्री ने कहा कि जीवन पथ पर अनेक कठिनाइयों और चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। विकट परिस्थितियों में आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच का दामन थामने से ही समस्याओं की वैतरणी को पार किया जा सकता है। जब तक अपनी शक्तियों का भान नहीं होता, स्वयं पर विश्वास नहीं होता तब तक लक्ष्य की प्राप्ति की दिशा में सफलता नहीं मिल सकती। धर्मसभा का संचालन संघमंत्री राजकुमार कोठारी ने किया।

मंदिर सजावट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के चिकपेट स्थित आदिनाथ जैन मंदिर के तलघर में मूलनायक स्वरूप विराजित जैन धर्म के बाइसवें तीर्थंकर भगवान श्री नेमिनाथ के जन्म और दीक्षा कल्याणक निमित्त मंदिर में त्रिदिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। मंगलवार को सुबह अंखड जाप का शुभारंभ किया गया तथा प्रभु प्रतिमा की सजावट व गहुली बनाई गई तथा मंदिर की विशेष सजावट की गई। नेमकुमार कुन्दनमल गादिया परिवार के सौजन्य से यह विशेष सजावट की गई। विजय लब्धिसूरी जैन संगीत मंडल के सदस्यों ने स्नात्र पूजा की तथा सरगम मंडल ने संगीत की प्रस्तुति दी। शाम को संध्या भक्ति की प्रस्तुति अर्हम ग्रुप के युवाओं ने दी।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.